RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

12 वर्ष

दैनिक
सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, रविवार ●25 अगस्त , 2024 वर्षः-12 अंक-116 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

बहनों के भरोसे चल रही है हमारी सरकारः सीएम

भोपाल में महिलाओं ने बांधी राखी; कहा-हम रोजगार के अवसर देंगे

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारी सरकार बहनों के भरोसे चल रही है। भारतीय संस्कृति के भरोसे चल रही है। इसलिए हमने सबकी परेशानियों को समझने का काम किया है। भोपाल की हुजूर विधानसभा क्षेत्र में बाइपास के पास

शनिवार को आयोजित रक्षा बंधन कार्यक्रम का संबोधित कर रहे थे। जब हमने रक्षाबंधन पर्व पर राखी बंधवाने का निर्णय किया तो विपक्ष के लोगों ने कहा कि ये क्या हो रहा है। राखी क्यों बंधवा रहे हो। हमने पूरे सावन में महीने में राखी बंधवाई है। बहनों के आशीर्वाद से हमारी संस्कृति दुनिया में मजबूत हुई है। हमारी सरकार में बहनों के लिए रोजगार के अवसर मिलेंगे। अभी कई योजनाएं आने वाली हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे देश में सभी देवी-देवताओं की पूजा की जाती है। दुनिया में सभी सिर्फ धन को पूजते हैं। उनके लिए बाप बड़ा न भैया सबसे बड़ा रुपैया, हमारे देश में एक ही दिन लक्ष्मी जी की पूजा होती है बाकी दिनों में भारत माता की जय करते हैं। सभी 33 कोटि देवताओं का पूजन हमारे देश में होता है। मन के संस्कार, मन की अच्छाई मिल जाए तो भगवान खुश हो जाते हैं। कार्यक्रम में भगवान कृष्ण के जन्माष्टमी महोत्सव को लेकर भी सीएम यादव ने कहा कि जन्माष्टमी का त्यौहार गांव-गांव में हर्ष और उल्लास से मनाया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि उद्योग-धंधों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा। इसके लिए सरकार की कोशिश है कि पांच हजार रुपए तक के काम मिलें और फिर इसे 15 हजार रुपए तक ले जाएंगे।

बेहद घातक हो जाएंगे भारत के 'हंटर-किलर' हेलीकॉप्टर

अमेरिका से मिलने जा रहा खास हथियार

हो गया समझौता

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी सरकार ने लगभग 52.8 मिलियन डॉलर (443 करोड़ रुपये) की एंटी-सबमरीन वारफेयर (एएसडब्लू) सोनोब्वाय और उससे संबंधित उपकरणों की भारत को प्रस्तावित बिक्री को मंजूरी दे दी है। बता दें कि ये सोनोब्वाय भारतीय नौसेना में शामिल किए जा रहे मल्टी-मिशन एमएच-60आर सीहॉक हेलीकॉप्टरों में तैनात की जाएगी। शुक्रवार को बाइडेन प्रशासन ने अमेरिकी संसद को एक नोटिफिकेशन भेजा है। इसमें कहा गया है कि प्रस्तावित बिक्री द्विपक्षीय रणनीतिक संबंधों को मजबूत करने और एक प्रमुख रक्षा साझेदार, भारत की सुरक्षा में सुधार करने के लिए है।
नोटिफिकेशन में कहा गया है कि प्रस्तावित बिक्री भारत के एमएच-60आर हेलीकॉप्टरों की क्षमता को बढ़ाएगी। इसके अलावा, ये वर्तमान और भविष्य के खतरों से निपटने की क्षमता में भी सुधार करेगी। बता दें कि इस साल मार्च में नौसेना ने कोच्चि में आईएनएस गरुड़ पर हेलफायर मिसाइलों, एमके-54 टॉरपीडो और सटीक मार करने वाले रॉकेटों से लैस छह सबमरीन-हंटर एमएच-60आर सीहॉक हेलीकॉप्टरों के अपने पहले स्क्वाड्रन को शामिल किया था। अगले साल तक, भारत 24 हेवी-ड्यूटी सीहॉक हेलीकॉप्टरों को शामिल करने की योजना बना रहा है। ये फरवरी 2020 में अमेरिका के साथ किए गए 15,157 करोड़ रुपये के कॉन्ट्रैक्ट के तहत मल्टी-मोड रडार और नाइट-विजन डिवाइस से भी लैस हैं। अमेरिका की रक्षा सुरक्षा सहयोग एजेंसी ने अपने एक बयान में कहा है कि एंटी सबमरीन वारफेयर सोनोब्वाय भारत को बेचने के लिए विदेश मंत्री ने संभावित विदेशी सैन्य खरीद को मंजूरी दे दी है। भारत सरकार ने अमेरिका से एएन/एसएसक्यू-53 जी हाई

एल्टीट्यूड एंटी सबमरीन वारफेयर सोनोब्वाय, एएन/एसएसक्यू-62एफ सोनोब्वाय, एएन/एसएसक्यू-36 सोनोब्वाय, टेक्निकल और पब्लिकेशंस एवं डाटा डॉक्यूमेंटशन, कॉन्ट्रैक्टर इंजीनियरिंग, टेक्निकल सपोर्ट, लॉजिस्टिक, सर्विस एवं सपोर्ट की खरीद करने का अनुरोध किया था। एंटी-सबमरीन वारफेयर सोनोब्वाय एक प्रकार के सोनार उपकरण होते हैं जो पानी के अंदर दुश्मन की पनडुब्बियों का पता लगाने के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं। इन्हें हवाई जहाज या हेलीकॉप्टर से समुद्र में गिराया जाता है, जहां ये पानी के नीचे ध्वनि तरंगों का इस्तेमाल करके पनडुब्बियों की स्थिति का पता लगाते हैं। इनका इस्तेमाल नौसैनिक अभियानों में किया जाएगा।

उद्योगों को दक्ष मानव संसाधन मुहैया करवाने की प्रमुख संस्था बने क्रिस्प

मुख्यमंत्री डॉ. यादव बोले-वृहद स्तर पर प्रशिक्षण के समयबद्ध कार्यक्रम किए जाएं निर्धारित

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सेंटर फॉर रिसर्च एंड इंडस्ट्रियल स्टाफ परफॉरमेंस (क्रिस्प) द्वारा प्रदेश में स्थापित हो रही नई औद्योगिक इकाइयों की आवश्यकता के अनुसार बहुमुखी प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जाएं। ये प्रशिक्षण कार्यक्रम रोजगार परक हों। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का लाभ इंजीनियरिंग कॉलेज और आईटीआई के विद्यार्थियों को भी मिले। क्रिस्प, उद्योगों को दक्ष मानव संसाधन मुहैया करवाने की प्रमुख संस्था बने। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में क्रिस्प संस्था की साधारण सभा की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उच्च शिक्षा एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार, सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्योग मंत्री श्री चेतन्य काश्यप, स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह, कौशल विकास और रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम टेटवाल भी बैठक में उपस्थित थे। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल एवं अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री नागर सिंह चौहान बैठक से वर्चुअल जुड़े।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि चयनित विधाओं में क्रिस्प द्वारा ट्रेनिंग दी जाए। ऐसे कोर्स डिजाइन करें जो युवाओं के लिए उपयोगी हों। क्रिस्प एक महत्वपूर्ण संस्था है, जिसने केन्द्र और राज्य सरकार के विभागों के अमले को दक्ष बनाने में योगदान दिया है। क्रिस्प द्वारा राज्य के हित में रोजगारमूलक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के संचालन का कार्य किया जाए। फार्मास्युटिकल, मोबाइल रिपेयरिंग सहित अनेक क्षेत्रों में आज प्रशिक्षण कार्यक्रमों की आवश्यकता है, इसकी पूर्ति क्रिस्प के माध्यम से की जानी चाहिए।

आलीशान बंगला, कारों की लाइन, चाइनीज कुत्ते-विदेशी बिल्ली...

- 30 किराएदारों का मालिक है 40000 की रिश्वत लेने वाला बीडीए का 'राजा' बाबू
- जांच में सामने आई करोड़ों की संपत्ति, गाड़ियों से लेकर कुत्ते व बिल्ली तक का शौक

भोपाल। राजधानी में बीडीए के ऑफिस में काम करने वाले बाबू पर लोकायुक्त पुलिस ने कार्रवाई की है। इस कार्रवाई में बाबू को 40 हजार की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया है। कर्मचारी पर आरोप है कि वो लीज नवीनीकरण के लिए रिश्वत मांग रहा था। अब बाबू की संपत्ति की जांच चल रही है। शुरुआती जांच में मिली संपत्ति देख खुद जांचकर्ता हैरान हैं। भोपाल लोकायुक्त पुलिस को 23 अगस्त 2024 को एक शिकायत मिली। शिकायत में बीडीए कार्यालय के सहायक ग्रेड 3 कर्मचारी तारकचंद दास पर रिश्वत मांगने का आरोप था। वह रत्नागिरी स्थित एक मकान की लीज के नवीनीकरण के लिए 40,000 रुपये की रिश्वत मांग रहा था। लोकायुक्त की टीम ने तुरंत कार्यवाही करते हुए उसे रंगे हाथों पकड़ लिया। कार्यवाही के दौरान निरीक्षक नीलम पटवा को पता चला कि तारकचंद दास काफी समय से रिश्वत लेकर काला धन कमा रहा है। उसके और परिवार के नाम पर कई संपत्तियां होने की भी जानकारी मिली है। इसके बाद एसपी मनु व्यास के निर्देश पर तारकचंद दास के पंचशील स्थित घर की तलाशी ली गई। तलाशी में पुलिस टीम को कई संपत्ति के दस्तावेज मिले। पुलिस को मिली जानकारी के अनुसार दास की पत्नी मंदिरा दास के नाम पर कस्तूरबा नगर में मां गंगा होटल के दो फ्लोर और बॉयज हॉस्टल के दो फ्लोर हैं। एक फ्लोर अभी निर्माणाधीन है। मंदिरा दास बीडीए ऑफिस के सामने शेड नंबर 3 में स्टाम्प वेंडर का काम करती हैं।

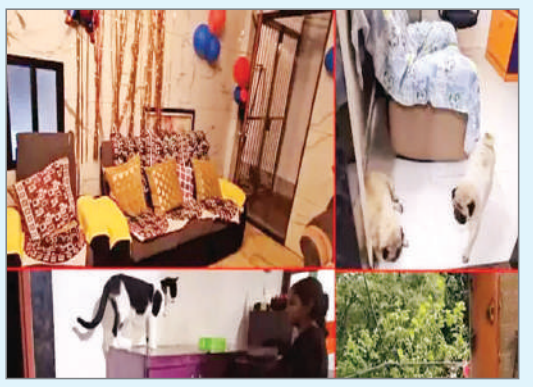

- पहला रियूजेबल भारतीय हाईब्रिड रॉकेट

रूमी-1 लॉन्च

चेन्नई (एजेंसी)। भारत ने शनिवार को अपना पहला रियूजेबल हाइब्रिड रॉकेट रूमी 1 लॉन्च किया। चेन्नई के थिरुविदंधई से मोबाइल लॉन्चर के जरिए रॉकेट की लॉन्चिंग हुई। रॉकेट को तमिलनाडु बेस्ड स्टार्टअप स्पेस जोन इंडिया और मार्टिन ग्रुप ने मिलकर बनाया है। हाइब्रिड रॉकेट रूमी 1 के जरिए 3 क्यूब सैटेलाइट और 50 सैटेलाइट को सबऑर्बिटल ट्रैजेक्टरी में भेजा गया। ये सैटेलाइट ग्लोबल वार्मिंग और क्लाइमेट चेंज से जुड़े रिसर्च के लिए डेटा इकट्ठा करेंगे। रूमी 1

रॉकेट जेनेरिक फ्यूल बेस्ड हाइब्रिड मोटर और इलेक्ट्रिकली ट्रिगर पैराशूट सिस्टम से लैस है। रॉकेट को फ्लेक्सिबिलिटी और रियूजेबल पर फोकस करते हुए खास तरह से डिजाइन किया गया है। हाइब्रिड रॉकेट रूमी 1 में इको-फ्रेंडली और कॉस्ट इफेक्टिव मैकेनिज्म है। इसमें 2 ट्रिगर पैराशूट सिस्टम लगा है। इसकी मदद से रॉकेट के कंपोनेंट सुरक्षित समुद्र पर वापस लैंड कर सकते हैं। इससे अंतरिक्ष लॉन्च की लागत कम होगी। रॉकेट के कंपोनेंट्स को आसानी से रिकवर किया जा सकता है। रॉकेट का एयर फ्रेम कार्बन फाइबर, ग्लास फाइबर से बना है।

कोलकाता रेप केस का सच जल्द आएगा सामने

आरोपियों का 'पॉलीग्राफ टेस्ट' शुरू,मुख्य आरोपी संजय से जेल में सवाल-जवाब

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर के रेप और मर्डर केस में पॉलीग्राफ टेस्ट शनिवार को शुरू हो गया। अधिकारियों ने इस बात की जानकारी दी है। ट्रेनी डॉक्टर के रेप और मर्डर केस में मुख्य आरोपी समेत छह अन्य का पॉलीग्राफ टेस्ट होना है। इस टेस्ट के दौरान व्यक्ति द्वारा सवालों के जवाब दिए जाते समय एक मशीन की मदद से उसकी शारीरिक प्रतिक्रियाओं को मापा जाता है।

इससे यह पता लगाया जाता है कि वह सच बोल रहा है या झूठ। अधिकारियों ने बताया कि मुख्य आरोपी संजय रॉय का 'पॉलीग्राफ टेस्ट' उस जेल में ही किया जाएगा जहां वह बंद है, जबकि पूर्व प्राचार्य संदीप घोष, घटना की रात ड्यूटी पर मौजूद चार चिकित्सकों और एक नागरिक स्वयंसेवक समेत छह अन्य का 'पॉलीग्राफ टेस्ट' एजेंसी के ऑफिस में किया जाएगा। अधिकारियों के मुताबिक दिल्ली के केंद्रीय फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (सीएफएसएल) से 'पॉलीग्राफ' विशेषज्ञों का एक दल कोलकाता पहुंच गया है। सीबीआई ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट से कहा था कि स्थानीय पुलिस ने ट्रेनी डॉक्टर से रेप और मर्डर केस दबाने का प्रयास किया था। जब तक सीबीआई ने जांच अपने हाथ में ली, तब तक अपराध स्थल से छेड़छाड़ की जा चुकी थी। हत्या की घटना के खिलाफ देश भर में व्यापक विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं।

महाराष्ट्र में बदलापुर यौन शोषण केस का भारी विरोध

- शरद पवार ने काली पट्टी बांधकर जताया विरोध, कार्यकर्ताओं संग पुणे में किया प्रदर्शन

मुंबई/पुणे (एजेंसी)। बदलापुर यौन शोषण केस को लेकर महाविकास अघाड़ी शनिवार को विरोध प्रदर्शन कर रही है। एनसीपी (शरद) के चीफ शरद पवार और उनकी बेटी सुप्रिया सुले पुणे में प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने हाथ पर काली पट्टी भी बांधी हैं। मुंबई में प्रदर्शन के दौरान उद्धव ठाकरे ने कहा- जब सरकार को लगा कि महाराष्ट्र बंद रहेगा तो उन्होंने अपने समर्थकों को कोर्ट में भेज दिया। हमारा मामला पिछले 2 साल से सुप्रीम कोर्ट में है। हमें तो तारीख पर तारीख मिलती है। कल कोर्ट ने दिखा दिया कि कोर्ट इतनी जल्दी फैसला ले सकता है। कोर्ट ने हमारे महाराष्ट्र बंद पर रोक लगाई, लेकिन कोर्ट हमारी आवाज नहीं रोक सकती। दरअसल, एमवीए ने बदलापुर मामले को लेकर महाराष्ट्र बंद का ऐलान किया था, लेकिन शुक्रवार को बॉम्बे हाईकोर्ट ने इस बंद पर रोक लगा दी। इसके बाद एमवीए ने शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने का फैसला किया।

इसरो ने रिलीज किया चंद्रयान-3 मिशन का डेटा

- खुलेंगे चांद के राज, दुनियाभर के वैज्ञानिकों को होगा फायदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान (इसरो) ने भारत के चंद्रयान-3 मिशन की सफलता की पहली वर्षगांठ पर शुक्रवार को मिशन से संबंधित वैज्ञानिक डेटा को विश्लेषण के वास्ते दुनियाभर के अनुसंधानकर्ताओं के लिए सार्वजनिक कर दिया। एजेंसी ने विक्रम लैंडर और प्रज्ञान रोवर पर लगे पांच पेलोड से हासिल 55 गीगाबाइट (जीबी) से अधिक डेटा सार्वजनिक किया है। पिछले साल 23 अगस्त को चंद्रयान-3 मिशन के चंद्रमा के दक्षिणी क्षेत्र पर उतरने के साथ ही भारत ने इतिहास रच दिया था। इसरो के प्रमुख एसएस सोमनाथ ने यहां राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस समारोह में कहा,यह डेटा उन वैज्ञानिकों तक ही सीमित नहीं रहेगा जिन्होंने उन उपकरणों को बनाया था।

हसीना के हटते ही बांग्लादेश भी दिखाने लगा अपना तेवर!

बीएसएफ को केटल फेंसिंग से रोका, हफ्ते भर में दूसरी बार टेंशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और बांग्लादेश सीमा पर तनाव बढ़ता नजर आ रहा है। बांग्लादेश ने भारत को सीमा पर फेंसिंग से रोक दिया है। यह मामला कूचबिहार स्थित सीमाक्षेत्र का है, जहां जानवरों को रोकने के लिए मवेशी बाड़ बनाई जा रही थी। गुरुवार को बॉर्डर गार्ड्स बांग्लादेश (बीजीबी) ने बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बीएसएफ) को ऐसा करने से रोका। मामले की जानकारी रखने वालों ने बताया कि इस दौरान कोई हिंसा नहीं हुई। हालांकि निर्माण कार्य को रोक दिया गया है। इसके अलावा एहतियात के तौर पर गश्त भी बढ़ा दी गई है। अब इस मामले को अक्टूबर में दोनों देशों के सैन्य बलों के बीच होने वाली मीटिंग के दौरान उठाया जाएगा। गौरतलब है कि ढाका में शेख हसीना के इस्तीफा देकर भारत भागने और उसके बाद वहां सत्ता में हुई उठापटक के बीच दोनों देशों के संबंध सामान्य नहीं रह गए हैं। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रही हिंसा के चलते कुछ लोग भारत में आने का रास्ता तलाश रहे हैं। मामले की जानकारी रखने वाले बीएसएफ के एक अधिकारी ने कहा कि हमारे जवान केटल फेंस बना रहे थे। इसी दौरान बीजीबी के जवान आए और उन्होंने आपत्ति जताई। अधिकारी ने बताया कि यह बॉर्डर फेंस नहीं थी। अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर कहा कि बाड़ का निर्माण यह सुनिश्चित करने के लिए किया जा रहा था कि एक देश के मवेशी दूसरे देश में न भटक जाएं।

केजरीवाल के खिलाफ सीबीआई को मिल गया एलजी का साथ

- शराब घोटाले में मुकदमा चलाने के लिए एलजी ने दे दी मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली शराब नीति मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। कथित शराब घोटाले मामले में अरविंद केजरीवाल के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए सीबीआई ने दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना से मंजूरी ले ली है। सीबीआई ने विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा की राउज एवेन्यू अदालत में शुक्रवार को अभियोजन मंजूरी जमा कर दी है।

अब मामले की अगली सुनवाई 27 अगस्त (मंगलवार) को होगी। एक बार जब अदालत सीबीआई की सप्लीमेंट्री चार्जशीट पर संज्ञान ले लेती है, जिसमें केजरीवाल को आरोपी के रूप में नामित किया गया है, तो केजरीवाल के खिलाफ आरोप तय किए जाएंगे। शराब नीति से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा गिरफ्तारी के बाद वह मार्च से न्यायिक हिरासत में हैं।

प्रदेश पाती

दैनिक सद्भावना पाती

इंदौर, रविवार 25 अगस्त, 2024

सितंबर महीने में भोपाल एक्सप्रेस 10 दिन के लिए कैंसिल

वंदे भारत भी 17 को निरस्त, रोजाना 4 हजार से अधिक पैसेंजर्स करते हैं सफर

भोपाल (नप्र)। सितंबर महीने में वंदे भारत और भोपाल एक्सप्रेस से दिल्ली या ग्वालियर, झांसी आगरा सफर करने जा रहे हैं, तो यह खबर आपके लिए है, क्योंकि पलवल रेलवे स्टेशन पर मेंटेनेंस कार्य किए जाने हैं। इसके चलते भोपाल मंडल से होकर गुजरने वाली वंदे भारत के अलावा भोपाल एक्सप्रेस अप और डाउन को निरस्त किया गया है। बता दें कि दोंनो ट्रेनों से भोपाल रेल मंडल के चार हजार से अधिक यात्री रोजाना यात्रा करते हैं। इनमें भोपाल एक्सप्रेस 6 सितंबर से 15 सितंबर तक 10 दिन के लिए कैंसिल की गई है।

ये ट्रेनें कैंसिल की गईं

- 12155 रानी कमलापति - निजामुद्दीन एक्सप्रेस अपने प्रारंभिक स्टेशन से 6, 07, 08, 09, 10, 11, 12, 13, 14 और 15 सितंबर को निरस्त रहेगी।
- 12156 (निजामुद्दीन - रानी कमलापति एक्सप्रेस) अपने प्रारंभिक स्टेशन से 6, 07, 08, 09, 10, 11, 12, 13, 14 और 15 सितंबर को निरस्त रहेगी।
- 20171 रानी कमलापति - निजामुद्दीन वंदे भारत एक्सप्रेस अपने प्रारंभिक स्टेशन से 17 सितंबर को निरस्त रहेगी।
- 20172 निजामुद्दीन - रानी कमलापति वंदे भारत एक्सप्रेस प्रारंभिक स्टेशन से 17 सितंबर को निरस्त रहेगी।

यह ट्रेन आगरा पर होगी खत्म

- 12192 जबलपुर - निजामुद्दीन श्रीधाम सुपरफास्ट एक्सप्रेस 5 से 16 सितंबर तक आगरा कैंट स्टेशन तक ही जाएगी।
- 12191 निजामुद्दीन- जबलपुर श्रीधाम सुपरफास्ट एक्सप्रेस 6 से 17 सितंबर तक आगरा कैंट स्टेशन से प्रारंभ होगी।

इस ट्रेन का रूट किया परिवर्तित

12191 निजामुद्दीन - जबलपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस 29, 30, 31 अक्टूबर, 01, 02, 03, 04, 05 को परिवर्तित मार्ग वाया गाजियाबाद-मथुरा-आगरा कैंट होकर जाएगी। भोपाल रेल मंडल के अधिकारियों ने बताया कि यात्री असुविधा से बचने के लिए रेलवे द्वारा अधिकृत रेलवे पूछताछ सेवा एनटीईएस /139 रेल मदद से गाड़ी की सही स्थिति की जानकारी पता करके यात्रा करें।

पीएचक्यू में शिकायत के बाद बोले पीसीसी चीफ पटवारी

दहशत बनाकर अधिकारी, कर्मचारी बीजेपी के एजेंडे पर काम कर रहे हैं, सर्विस रूल्स भूल गए

भोपाल (नप्र)। पुलिस मुख्यालय में छतरपुर की घटना के बाद कार्रवाई को लेकर पीसीसी चीफ जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, विधायक आरिफ मसूद, कांग्रेस नेता मुकेश नायक, पीसी शर्मा, विभा पटेल ने शिकायत दर्ज कराई।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा है कि दहशत बनाकर अधिकारी कर्मचारी बीजेपी के एजेंडे पर काम कर रहे हैं। वे अपनी आदतें सुधारें अन्यथा मानव अधिकार आयोग में जाएंगे और सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाएंगे। पटवारी ने कहा कि पुलिस को सजग होना चाहिए और बीजेपी के एजेंडे पर काम करने से बचना चाहिए। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, विधायक आरिफ मसूद, प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष जेपी धनोपिया और अन्य नेताओं की मौजूदगी में पीसीसी चीफ पटवारी ने ये बातें डीजीपी सुधीर

सक्सेना से मुलाकात के बाद मीडिया से कहीं। पटवारी शनिवार को पुलिस मुख्यालय डीजीपी से शिकायत करने पहुंचे थे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पटवारी ने कहा कि सर्विस रूल का पालन करना पुलिस और जिला प्रशासन भूल गया है। शांति की बात कहकर दहशत फैलाना अच्छी सरकार की नीति नहीं है। उन्होंने छतरपुर की घटना का जिक्र कर कहा कि अपराधी को पकड़ना चाहिए। जो सजा हो, उसे संवैधानिक व्यवस्था के आधार पर सजा बी देना चाहिए। कांग्रेस ने कभी इसका विरोध नहीं किया। छतरपुर की घटना के मामले में जो अपराधी हैं उनके विरुद्ध कार्यवाही करना चाहिए लेकिन न्यायपालिका, संविधान के नियमों का उल्लंघन नहीं होना चाहिए। पटवारी ने सवाल उठाया कि क्या कारण है कि उज्जैन में जायसवाल का घर गिराया, मुरैना में यादव का घर गिराया। एमपी में सैकड़ों घर गिरा दिए गए। उन्होंने कहा कि दहशत बनाकर अधिकारी कर्मचारी बीजेपी के एजेंडे पर काम कर रहे हैं। ये आदत सुधारें तो ठीक है अन्यथा मानव अधिकार आयोग जाएंगे, सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाएंगे। पटवारी ने कहा कि जब घटना होनी थी तो छतरपुर का पुलिस इंटेलिजेंस क्या कर रहा था, यह तो पुलिस का फेल्योर है। इस तरह की दहशत बनाकर कैसे अच्छी सरकार और अच्छा प्रशासन चल सकता है। पुलिस को सजग होना चाहिए। बीजेपी के एजेंडे पर काम करना बंद करना चाहिए।

जम्मू कश्मीर में कांग्रेस एवं नेशनल कांफ्रेंस के मध्य हुए अवसरवादी गठबंधन पर सीएम यादव की कड़ी प्रतिक्रिया

● क्या कश्मीर में अशांति और देश में अराजकता पैदा करना चाहती है कांग्रेस ? ● क्या कांग्रेस धारा 370 और 35 को पुन : कश्मीर में लाना चाहती है ?
● कश्मीर में दलितों, गुर्जर, बकरवाल और पहाड़ियों के आरक्षण को समाप्त करना चाहती है कांग्रेस –डॉ. मोहन यादव

भोपाल। जम्मू कश्मीर में कांग्रेस एवं नेशनल कांफ्रेंस के मध्य हुए अवसरवादी गठबंधन की मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि फारूक अब्दुल्ला और कांग्रेस पार्टी का साथ मिलकर चुनाव लड़ना यह इंगित करता है कि कांग्रेस नेशनल कांफ्रेंस के घोषणा पत्र के अनुसार अलग झंडे के वादे का समर्थन करती है। कांग्रेस को देश की जनता को यह बताना चाहिए कि क्या वह धारा 370 और 35 ए को पुनः कश्मीर में लाना चाहती है? क्या कांग्रेस चाहती है कि शंकराचार्य पर्वत को तख्त-ए-सुलिमान और हरि पर्वत को कोह-ए-मारन के नाम से जाना जाए?

क्या कश्मीर में अशांति और देश में अराजकता पैदा करना चाहती है कांग्रेस ?– मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि अत्यंत दुर्भाग्यजनक है कि कांग्रेस नेशनल कांफ्रेंस के साथ गठबंधन कर कश्मीर के माध्यम से पूरे देश में अराजकता पैदा करना चाहती है। नेशनल कांफ्रेंस की सोच के अनुरूप कांग्रेस कश्मीर पर पाकिस्तान से पुनः वार्तालाप करना चाहती है। डॉ. यादव ने कहा कि कश्मीर आज विकास के एक अलग दौर में पहुंच चुका है और पूरे देश के साथ कदम-से-कदम मिलाकर चलना चाहता है। कांग्रेस केवल वोट बैंक की राजनीति के कारण कश्मीर में दलितों, गुर्जर, बकरवाल और पहाड़ियों के आरक्षण

को समाप्त कर देने का षडयंत्र रच रही है। इस अपवित्र गठबंधन से स्पष्ट है कि कांग्रेस की मंशा पवित्र गुफा बाबा अमरनाथ यात्रा पर फिर से संकट के बादल मंडराने की है।

धारा 370 और 35 थी कश्मीर में अशांति की वजह– मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कांग्रेस पार्टी को उन कारणों पर विचार करना चाहिए, जिनके चलते कश्मीर में अब तक हजारों निमर्म हत्याएं की जा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि धारा 370 और 35 ए ही कश्मीर में अशांति की मुख्य वजह रही हैं और दुर्भाग्य से कांग्रेस ने जिस नेशनल कांफ्रेंस के साथ गठबंधन किया है, वह इन दोनों धाराओं को फिर से लागू करने की बात करती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जम्मू और कश्मीर के बीच विभाजन का काम कांग्रेस ने लंबे समय तक किया है, जिसमें नेशनल कांफ्रेंस की भी बड़ी भूमिका रही है। आज जब कश्मीर बदल रहा है और विकास के रास्ते पर चल रहा है, तब एक बार फिर कांग्रेस पार्टी अराजक और अलगाववादी तत्वों के साथ अपनी राजनैतिक अवसरवादिता के लिए हाथ मिला रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि चुनाव की राजनीति में दलों की सीमाएं हो सकती हैं, लेकिन राष्ट्रीय मुद्दों पर कांग्रेस को समझौता नहीं करना चाहिए। डॉ. यादव ने कहा कि देश की जनता कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से यह जानना चाहती है कि कांग्रेस के निजी स्वार्थ क्या राष्ट्र हित से ऊपर हैं ?

भोपाल में युवक के सुसाइड के बाद रहवासी बोले

बंदूक की नोक पर हमारे घर तोड़े गए

नया आशियाना भी तोड़ने की धमकी देते थे निगम अधिकारी

भोपाल (नप्र)। नगर निगम और प्रशासन ने पुलिस की मौजूदगी में सात महीने पहले भदभदा बस्ती के रहवासियों के साथ ज्यादती की। बीस मकानों को तोड़ना था, मनमर्जी से अधिक मकानों को तोड़ दिया गया। विरोध करने पर टीआई शाहपुरा ने कनपटी पर बंदूक रख दी। 50-60 पुलिसवालों ने घरकर मुझे एक स्थान पर बैठाए रखा। सात महीने पहले भदभदा में हुई इस कार्रवाई में शादाब खान (24) का भी मकान तोड़ा गया था।

उसे टीटी नगर इलाके में टीन शेड के मकान में शिफ्ट किया। यहां जैसे-तैसे शादाब बूढ़ी मां-पिता के साथ रह रहा था। किराए का ऑटो चलाकर अपने परिवार को पाल रहा था। नगर निगम के एक अधिकारी बीते तीन महीने से लगातार टीन शेड वाले मकान को खाली करने का दबाव बना रहे थे। बात नहीं मानने पर दोबारा पुलिस की मदद से मकान को तोड़ने की धमकी दे रहे थे।

आए दिन की धमकियों से शादाब डिप्रेशन

में आ चुका था। इसी के चलते उसने सुसाइड कर लिया। यह आरोप शादाब के परिचित और भदभदा बस्ती में रहने वाले गुफरान अली के हैं। उन्होंने शादाब की मौत के लिए नगर निगम के अधिकारी को दोषी बताया है।

टीआई मनोज पटवा के मुताबिक शादाब खान (24) पुत्र अरमान खान निवासी कस्तूरबा स्कूल सामने टीन शेड ऑटो चलाता था। गुरुवार की शाम को उसने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली थी। सुसाइड नोट नहीं मिलने से खुदकुशी के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। परिजनों के आरोपों की जांच की जा रही है।

क्या है मामला

भोपाल की भदभदा बस्ती से टीटी नगर में शिफ्ट किए गए एक युवक ने गुरुवार रात फांसी लगा ली थी। परिजन और रहवासियों का आरोप है कि निगम और जिला प्रशासन के अफसर शेड तोड़ने की धमकी दे रहे थे। इसलिए युवक ने फांसी लगा ली। इधर, शुक्रवार को परिजनों ने भदभदा बस्ती के बाहर शव रखकर प्रदर्शन किया था। पुलिस की समझाइश के बाद प्रदर्शन समाप्त किया गया। गुरुवार रात घटना के बाद पूर्व मंत्री पीसी शर्मा, निगम में नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी समेत कई कांग्रेस मौके पर पहुंचे। रहवासियों ने बताया कि भदभदा बस्ती तोड़ने के बाद कुछ लोगों को टीटी नगर में शेड बनाकर दिए थे। इन्हें भी तोड़ने की निगम और प्रशासन के अफसर धमकी दे रहे थे। इससे चालक शादाब टेंशन में रहता था। गुरुवार देर शाम शादाब ने अपने ही घर में फांसी लगा ली।

भोपाल में घर में घुसा नकाबपोश बदमाश, बाइक चुराई

भोपाल (नप्र)। शाहजहांनाबाद इलाके में स्थित रोज ब्यूटी पार्लर के संचालिका के घर से नकाबपोश बदमाश ने उनकी बाइक को चोरी कर लिया। आरोपी ने वारदात के पहले आधे घंटे तक रेकी की थी। पूरी वारदात घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है।

फरियादी ने इस मामले की शिकायत थाने में की है। आवेदन रिसीव कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

भाई के दोस्त ने छात्रा से की ज्यादती

● धमकी देकर एक साल तक संबंध बनाता रहा आरोपी

भोपाल (नप्र)। भोपाल के निशातपुरा इलाके में मौसेरे भाई का दोस्त एक छात्रा के साथ करीब एक साल से ज्यादती कर रहा था। आरोपी भाई को जान से मारने की धमकी देकर उसके साथ शोषण करता रहा। पुलिस ने इस मामले में आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

आरोपी के संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। पुलिस के मुताबिक 23 साल की युवती एक कॉलोनी में रहती है। वह प्राइवेट कॉलेज से बीकॉम की पढ़ाई कर रही है। आरोपी युवक अंकित दांगी उसके गांव का रहने वाला है और मौसेरे भाई का दोस्त है। इस कारण दोनों का घर पर आना-जाना था। दोनों एक-दूसरे से फोन पर बातचीत करते थे।

यह बात जब छात्रा के पिता को पता चली तो आरोपी युवक के घर गए। पूरी बात उनके परिजनों को बता दी। इसके बाद बातचीत बंद हो गई।

बाद में दोनों फिर बात करने लगे। 21 अगस्त 2023 को आरोपी युवक पीड़ित के घर पहुंचा और हंगामा करने लगा। जबरदस्ती घर में घुसकर उसके साथ दुष्कर्म किया। उसके बाद से वह लगातार पीड़ित का शोषण कर रहा था। उसकी करतूतों से परेशान होकर पीड़िता ने थाने में शिकायत कर दी। अब पुलिस आरोपी युवक की तलाश कर रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

नाबालिग को छेड़ा और पीटा

इधर, अरेरा हिल्स पुलिस ने बताया कि भीम नगर में रहने वाली 16 साल की छात्रा है। शुक्रवार रात वह घर के बाहर खड़ी थी, तभी दीपक गिरी नाम का युवक आया और उसके साथ छेड़छाड़ करने लगा। जब लड़की ने विरोध किया, तो आरोपी ने उसके साथ मारपीट कर दी। इसके बाद पीड़ित ने परिजन के साथ थाने पहुंचकर मामला दर्ज कराया। पुलिस ने भी आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

दिग्विजय बोले-झारखंड में भाजपाइयों के घर तोड़ेंगे क्या?

रांची एसएसपी का वीडियो पोस्ट किया, प्रियंका ने लिखा-यह बर्बरता; शिवराज बोले-सोरेन ने जुल्म ढाया

भोपाल (नप्र)। एमपी के छतरपुर में थाने पर पथराव के आरोपी की कोठी तोड़ने के बाद मामले ने सियासी तूल पकड़ लिया है। झारखंड के रांची में प्रदर्शन के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने भी पुलिस पर पत्थर फेंके। इसे लेकर पूर्व सीएम और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने अपने एक्स हैंडल पर रांची के एसएसपी चंदन सिन्हा का वीडियो शेयर किया है।

वीडियो में रांची के एसएसपी कहते दिख रहे हैं, 'भाजपा कार्यकर्ताओं ने पुलिस पर पत्थरबाजी की है। आप एक तरफ भारत माता की जय बोल रहे हैं। दूसरी तरफ भारत माता के जवानों को पत्थर मार रहे हैं, जिससे उनकी जान जा सकती है।'

दिग्विजय ने भाजपा से पूछा कि छतरपुर की तरह यहां भी भाजपाइयों के घर पर बुलडोजर चलवाएंगे? इस पर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि, हेमंत सोरेन सरकार जुल्म ढा रही है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा- यह बर्बरता और अन्याय की

शिवराज बोले- सोरेन सरकार ने बर्बरता की

झारखंड भाजपा के प्रभारी और केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा– झारखंड में अन्याय की अति और जुल्म की पराकाष्ठा हुई है। अराजक सरकार नौजवानों के आक्रोश का मुकाबला नहीं कर पा रही। जो वादे किए थे, 5 लाख नौकरी के, बेरोजगारी भत्ते के, उनमें से एक भी पूरा नहीं हुआ। जब आक्रोश जताने बीजेपी युवा मोर्चा के कार्यकर्ता आ रहे थे, तो बर्बरता शुरू हो गई। जगह-जगह कार्यकर्ता पकड़े गए। बसें रोकी गईं। बस मालिकों को डराया गया। ऐसा अन्याय लोकतंत्र में कहीं नहीं देखा। कंटीले और नुकीले तारों की बाड़ें लगा दीं। हम भी चार बार मुख्यमंत्री रहे। क्या लोकतांत्रिक आंदोलन को ऐसे कुचला जाता है। डरे हुए हेमंत सोरेन, किसी भी कीमत पर भाजपा के कार्यकर्ता पहुंच ना पाएं, इसलिए ऐसी बर्बरता की, वो अकल्पनीय है। कार्यकर्ताओं पर लाठियां बरसाई गईं। ये जो हेमंत सोरेन ने जुल्म ढाया है, ये जो अहंकार आया है, वो रावण का नहीं रहा, तो तुम्हारा कहां रहेगा।

पराकाष्ठा है। पूर्व सीएम के सवालों के जवाब में एमपी प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा है कि दिग्विजय सिंह को झूठ परोसने का टेंडर मिला है। रांची में शुक्रवार को प्रदर्शन कर रहे भाजपा कार्यकर्ताओं पर पुलिस ने वाटर कैनन और टियर गैस छोड़ी थी। भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया है कि पुलिस ने रबर के बैलेट दागे थे।

आरोपी का घर ढहा देना न्याय नहीं: प्रियंका गांधी ने भी एक्स पर लिखा- अगर कोई किसी अपराध का आरोपी है तो उसका अपराध और उसकी सजा सिर्फ अदालत तय कर सकती है, लेकिन आरोप लगते ही उसके परिवार को सजा देना, उनके सिर से छत छीन लेना, आरोपी का घर ढहा देना न्याय नहीं है। यह बर्बरता और अन्याय की पराकाष्ठा है।

दिग्विजय ने पूछा-

इन भाजपाइयों को नेस्तनाबूद करेंगे ?

दिग्विजय सिंह ने रांची एसएसपी का वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा– 'वीडी शर्मा अब इन भाजपा कार्यकर्ताओं को भी नेस्तनाबूद कर उनके घर पर जेसीबी चलवाएंगे? एक अन्य पोस्ट में उन्होंने छतरपुर में हुई कार्रवाई को लेकर एक्स पर लिखा– छतरपुर में थाने पर पथराव का मैं समर्थन नहीं करता, लेकिन इसके आरोप में हाजी शहजाद अली का मकान जमींदोज करना, उनकी गाड़ियों पर बुलडोजर चलाना और उसे गुनाहों का मुखिया घोषित करना भी संदेह पैदा करता है। दिग्विजय ने आगे लिखा– संदेह यह भी है कि मप्र में भाजपा नेता जिस घटना को पत्थरबाजी से जोड़ रहे हैं। स्थानीय कलेक्टर उसे अवैध निर्माण का मामला बता रहे हैं। दिग्विजय ने कहा– सबसे बड़े कोतवाल सांसद जी बनकर उभरे और तुरंत बयान दे दिया कि पत्थर फेंकने वालों के साथ यही सलूक किया जाएगा और उन्हें नेस्तनाबूद कर देंगे। क्या देश में न्यायालय की भूमिका खत्म हो गई है? क्या स्थानीय पुलिस और सांसद ही कानूनी फैसले लेने के लिए नियुक्त कर दिए गए हैं?

मसूद ने पूछा- क्या छतरपुर जैसा एक्शन रांची में होना चाहिए

भोपाल मध्य से कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद ने कहा- मप्र के भाजपा नेता छतरपुर की घटना पर बड़ी-बड़ी बात कर रहे हैं, उनसे पूछना चाहता हूं कि अब इन पर क्या कार्रवाई होना चाहिए। इन्होंने भी पुलिस को मारा है। ये भी भारत के जवान हैं। अब इन पर पुलिस एफआईआर तो करेगी ही, लेकिन एफआईआर के साथ बाकी क्या कार्रवाई होना चाहिए? क्योंकि हम तो संविधान को मानने वाले हैं। अब हम इनसे (बीजेपी) पूछना चाहते हैं कि जो कार्रवाई छतरपुर में हुई है, वो रांची में होना चाहिए?

दैनिक
सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

इंदौर पाती

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज श्री कृष्ण जन्म महोत्सव कार्यक्रम में होंगे शामिल

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 25 अगस्त को इंदौर में आयोजित श्री कृष्ण जन्म महोत्सव कार्यक्रम में शामिल होंगे। यह कार्यक्रम सुबह 10ः30 बजे से दशहरा मैदान में आयोजित किया गया है । यह कार्यक्रम मां अहिल्या की कामना, ÷हर घर कन्हैया -हर मां यशोदा÷ की थीम को लेकर आयोजित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम भगवान श्री कृष्ण की लीलाओं पर आधारित रहेगा। कार्यक्रम में मटकी फोड़ का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बच्चे बाल गोपाल रूप में तथा माताएं यशोदा रूप में रहेंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा उनका पुष्प वर्षा कर स्वागत किया जायेगा। कार्यक्रम के दौरान माधवास बैंड की प्रस्तुति होगी। बल्लू जी एवं उनके टीम द्वारा बांसुरी वादन का कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा। कार्यक्रम में बाल गोपाल का पूजन होगा। इस अवसर पर मटकी फोड़ का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया है। कार्यक्रम में माखन-मिश्री का वितरण भी किया जाएगा।

सड़कों से पशुओं को हटाने एवं उनको सुव्यवस्थित रूप से स्थानांतरित करने हेतु टास्क फोर्स गठित

इंदौर। कलेक्टर आशीष सिंह ने इंदौर जिले की सड़कों से पशुओं को हटाने एवं उनको सुव्यवस्थित रूप से स्थानांतरित करने हेतु टास्क फोर्स का गठन किया है। इस टास्क फोर्स में शहरी क्षेत्र से आयुक्त नगर निगम तथा ग्रामीण क्षेत्र से मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत और उप संचालक पशु चिकित्सा तथा राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के परियोजना निदेशक को शामिल ?किया गया है। उक्त टास्क फोर्स विभिन्न प्रमुख मार्गों से पशुओं को हटाने और वहां से स्थानांतरित करने की कार्यवाही करायेगी।

रोटरैक्ट मण्डल 3040 द्वारा द फ़ूड डिस्ट्रीब्यूशन ड्राइव का कई स्थानों पर आयोजन

इंदौर। रोटरैक्ट मण्डल 3040 ने मंडलाध्यक्ष निकुंज गोयदानी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में एवं पीडीजी गजेंद्र नारंग की सहायता से मण्डल 3040 का मण्डल प्रोजेक्ट ÷आशित÷ द फ़ूड डिस्ट्रीब्यूशन ड्राइव 6 अलग अलग स्थानों पर किया जिसमे इंदौर की 5 बस्तियां जैसे लाल बाग बस्ती, एयरपोर्ट रोड बस्ती, महालक्ष्मी नगर बस्ती स्कीम न. 114 एवं स्कीम न. 140 बस्ती अथवा 1 भोपाल में हॉस्पिटल में मरिज़ो, उनके परिवारों और ज़रूरतमंदों को भोजन के पैकेट अथवा कई स्थानों में बच्चों को ओरियो बिस्किट का वितरण किया गया जिसमे मण्डल के स्वर्णिम माहेश्वरी, मण्डल महासचिव तंज़ीला शेख़, उपमंडलाध्यक्ष यशोवर्धन कोठारी एवं महर्षि जयसवाल अथवा सहायक माण्डलाध्य गौतम शर्मा एवं गौरव झा ने कमान सम्भाली।

एनएचएआई ने खत्म की फ्री फ्लो पॉलिसी

अब मांगलिया पर कितना ही लंबा जाम क्यों न लगे, फी में नहीं जा सकेंगे वाहन

इंदौर (एजेंसी)। तीन साला पहले एनएचएआई ने अपने टोल नाकों पर जनता की सहूलियत के लिए निकाला नियम खत्म कर दिया है। 100 मीटर से लंबी लाइन होने या फास्टैग स्कैन होने में 10 सेकंड से ज्यादा समय लगने पर टोल न लगने का प्रावधान हटाए जाने को लेकर सर्कुलर जारी हो चुका है। अब चाहे टोल पर आपको 10 मिनट लगे या आधा घंटा एनएचएआई टोल नाके से मुफ्त में नहीं गुजरने देगी।इंदौर में इसका सबसे ज्यादा असर इंदौर-देवास बायपास के मांगलिया टोल नाके पर पड़ेगा। यहां आए दिन टोल नाके पर वाहनों की लंबी कतारें लग जाती हैं। कई बार ट्रक को रिवर्स भी लेना पड़ता है जिस कारण से कई दिन टोल नाके से गुजरने में 15-20 मिनट का भी समय लग जाता है। सरकार ने इसके पीछे कारण दिया है कि इसे लागू करने में आ रही परेशानियों के चलते इस पालिसी को खत्म किया गया है।हालांकि, पते की बात ये है कि इंदौर में सबसे ज्यादा जाम मांगलिया पर लगता है। लेकिन यहां एक बार भी कभी किसी टोल संचालक ने 100 मीटर से ज्यादा लंबी लाइन लगने पर टोल नाके का बूम खोला नहीं। चाहे कितना ही लंबा ट्रैफिक जाम क्यों न लगा हो, टोल वसूली सबसे हुई है। इंदौर-देवास के बीच प्रतिदिन 1 लाख से ज्यादा वाहन गुजरते हैं। इसमें बड़ी संख्या उपनगरीय बसों की होती है। ऐसे में कई कार चालक जाम लगने पर सरकार के नियमों का हवाला देते हुए अपने अधिकार को लेकर आवाज भी उठा चुके हैं। लेकिन, कभी फ्री फ्लो पालिसी के तहत गाड़ियों को गुजरने नहीं दिया है। मांगलिया टोल नाके के अलावा एनएचएआई के इंदौर-गुजरात हाईवे पर मेठवाड़ा और दत्तीगांव में, इंदौर-मुंबई हाईवे पर सोनवाय में और इंदौर- आगरा हाईवे पर छपरा और रोजवास में भी टोल नाके हैं।

अवैध कालोनी विकसित करने वालों के विरुद्ध जिला प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

150 करोड़ रूपये से अधिक मूल्य की शासकीय भूमि को किया अतिक्रमण मुक्त

इंदौर। इंदौर में शासकीय भूमि तथा अन्य जमीनों को खुर्द-बुर्द करने तथा अवैध कब्जा करने वालों के विरुद्ध कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देशन में लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी सिलसिले में एक बड़ी कार्रवाई करते हुए डेढ़ सौ करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की शासकीय जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। यह जमीन शासकीय अभिलेख में पीर स्थान के नाम से दर्ज है।

जूनी इंदौर क्षेत्र के एसडीएम घनश्याम धनगर ने बताया कि इंदौर के ग्राम खजरानी तहसील जूनी इंदौर स्थित भूमि खसरा क्रमांक 370 रकबा 0.866 हेक्टेयर जो कि राजस्व अभिलेखों में शासकीय परिस्थान व्यवस्थापक कलेक्टर इंदौर के नाम पर दर्ज है। उक्त भूमि पर अशोक भाई

पिता लाल भाई गुजराती द्वारा कुल 13 व्यक्तियों को भूखण्ड विक्रय कर दिए गये थे। उक्त विक्रय किए गए भूखंडों पर भूखण्ड धारकों द्वारा बाउंड्रीवाल एवं सड़क बना कर अतिक्रमण व अवैध रूप से कालोनी विकसित की जा रही थी जिसे कलेक्टर सिंह के निर्देश पर जिला प्रशासन एवं नगर निगम इंदौर की टीम द्वारा अतिक्रमण मुक्त कराया गया एवं कब्जा शासन पक्ष में लिया गया। साथ ही सर्व साधारण के लिए उक्त भूमि पर शासन का स्वामित्व होने संबंधी सूचनार्थ नोटिस बोर्ड लगाया गया। उक्त भूमि का बाजार मूल्य लगभग 150 करोड़ से भी अधिक है। कार्यवाही एसडीएम जूनी इंदौर धनगर और तहसीलदार शिवशंकर जारोलिया द्वारा की गई।

निगम की लापरवाही से बदहाल शहरों की सूची में इंदौर पहले स्थान पर: नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे

कहा - महापौर का दो वर्षों का कार्यकाल इंदौर के लिए बदहाली का दौर

इंदौर। इंदौर नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे ने महापौर पुष्यमित्र भार्गव के कार्यकाल के दो वर्षों को इंदौर के लिए बदहाली का दौर करार दिया है। उन्होंने कहा कि इंदौर, जो कभी स्मार्ट सिटी के रूप में नंबर वन था, अब नगर निगम की लापरवाही के कारण बदहाल शहरों की सूची में पहले स्थान पर आ गया है। बीते दिन तेज बारिश के बाद शहर की सड़कों पर जलजमाव और यातायात जाम जैसी समस्याओं का सामना करने वाली जनता ने जो असुविधा झेली, उसके लिए चौकसे ने सीधे तौर पर नगर निगम और महापौर को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने आरोप लगाया कि बारिश का मौसम शुरू होने से पहले नालों की सफाई नहीं की गई और सड़कों के गड्ढों को भी नहीं भरा गया। चौकसे ने बताया कि पहले 5 से 7 इंच बारिश होने पर भी शहर में जलजमाव की स्थिति नहीं बनती थी, लेकिन अब सिर्फ 1.5 से 2 इंच बारिश के बाद ही सड़कों पर पानी भर जाता है।

चौकसे ने कहा कि कल की बारिश ने यह साबित कर दिया कि नगर निगम की तैयारियां केवल कागजों तक ही सीमित हैं। उन्होंने नगर निगम के 2000 करोड़ रुपये के नाला टैपिंग प्रोजेक्ट पर सवाल उठाते हुए कहा कि इस योजना का कोई ठोस

नतीजा नहीं दिखा है, और अब तक इस पर हुए खर्च की जांच भी नहीं हो पाई है। उन्होंने महापौर पुष्यमित्र भार्गव और प्रदेश सरकार पर भी निशाना साधते हुए कहा कि नगर निगम के पास पर्याप्त संसाधन और समर्थन नहीं होने के बावजूद महापौर ने इंदौर के अधिकारों के लिए कोई आवाज नहीं उठाई। चौकसे ने कहा कि यह स्थिति इंदौर की जनता के लिए बेहद शर्मनाक है, जहां उनका चुना हुआ महापौर शहर की बदहाली के बावजूद खामोश बना रहता है।

यातायात जाम पर बात करते हुए चौकसे ने कहा कि जब बारिश के बाद पूरा शहर जाम से जूझ रहा था, तब महापौर के दावे किए गए 1000 ट्रैफिक मित्र और स्वयं महापौर कहीं नजर नहीं आए। चौकसे ने यह भी कहा कि यह पूरा मामला भाजपा की प्रदेश सरकार की नाकामी को दर्शाता है, जो अब पूरे सिस्टम का हिस्सा बन चुकी है।

गोगानवमी पर्व पर सफाई मित्रों के सम्मान में शहर के विभिन्न स्थानों पर चलेगा स्वच्छता अभियान

जनप्रतिनिधियों के साथ शहर की विभिन्न संस्थाएं स्वच्छता महा जनभागीदारी अभियान में होगी सम्मिलित

इंदौर। आयुक्त शिवम वर्मा द्वारा वाल्मीकि समाज के आराध्य देव श्री वीर गोगा जी कि 27 अगस्त 2024 को गोगा नवमी पर्व होने से दिनांक 28 अगस्त 2024 को सफाई मित्रो के अवकाश के दौरान शहर की सफाई व्यवस्था प्रभावित ना हो इस उददेश्य से दिनांक 28 अगस्त 2024 को शहर के विभिन्न स्थानों पर क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों के साथ ही शहर के विभिन्न संगठनों, रह वासियों के साथ ही निगम अधिकारियों द्वारा अपने अपने झोन/वार्ड क्षेत्र में जन भागीदारी स्वच्छता महा अभियान की तैयारी के संबंध में सिटी बस ऑफिस में बैठक ली गई। बैठक में अपर आयुक्त अभिलाष मिश्रा, दिव्यांक सिंह, अभय राजनगांवकर, देवघर दरवई, मनोज पाठक, समस्त जोनल अधिकारी, समस्त स्वास्थ्य अधिकारी, सीएसआई, एनजीओ संस्था प्रतिनिधि एवं अन्य उपस्थित थे।

आयुक्त वर्मा ने बताया कि वाल्मीकि समाज के आराध्य देव श्री वीर गोगा जी कि 27 अगस्त को गोगा नवमी पर्व होने से दिनांक 28 अगस्त को सफाई मित्रो के अवकाश के दौरान शहर की सफाई व्यवस्था प्रभावित ना हो इस उददेश्य से 28 अगस्त को शहर के विभिन्न स्थानों पर क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों के साथ ही शहर के विभिन्न संगठनों, रह वासियों के साथ ही निगम अधिकारियों द्वारा अपने अपने झोन/वार्ड क्षेत्र में स्वच्छता महा जनभागीदारी अभियान चलाया जाएगा। इसके साथ ही महापौर एवं आयुक्त द्वारा स्वच्छता महा जनभागीदारी अभियान के तहत शहर के विभिन्न स्थानो पर जनप्रतिनिधियों के साथ ही विभिन्न संगठनो के माध्यम से अभियान में सम्मिलित होने के साथ ही सफाई कार्य के पर्यापत संसाधन उपलब्ध कराने के संबंध में भी विभागीय अधिकारियो को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव व आयुक्त वर्मा ने शहर के समस्त सफाई मित्रों को गोगा नवमी की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए शहर के समस्त नागरिकों से अपील की है कि निगम के समस्त सफाई मित्र पुरे सालभर मौसम की परवाह किये बिना और पुरी शिददत से सफाई मित्र हमेशा फिल्ड में रहते हुए सफाई अभियान को जारी रखते है। इस समय हम सभी का दायित्व है कि जिस दिन उनकी छुटटी है उस दिन हम अपने इंदौर शहर को साफ बनाने के लिये सफाई मित्रो के सम्मान में आइए हम भी उतरे मैदान में और अपने गली, मोहल्ले, वार्ड/झोन/क्षेत्र में स्वच्छता महा जनभागीदारी सफाई अभियान में सम्मिलित होकर जनभागीदारी से स्वच्छता अभियान को सफल बनावे। महापौर भार्गव एवं आयुक्त वर्मा द्वारा शहर के विभिन्न स्थानो पर क्षेत्रीय विधायकगण, पार्षद/नागरिको/जनप्रतिनिधियो के साथ ही रहवासी संगठन, सामाजिक संगठन, धार्मिक संगठन, सिक्ख समाज, बैंकिग संगठन आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, एसबीआई बैंक, यूको बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, एचडीएफसी बैंक, मार्केट एसोसिएशन, लायंस क्लब एनएसएस, एनसीसी, बीएसएफ, 15वीं बटालियन, स्वयंसेवक संघ, एनजीओ टीम बेसिक्स, टीम डिवाईन, टीम एचएमएस, टीम एफएफसीटी के प्रतिनिधियो द्वारा स्वच्छता महा जनभागीदारी अभियान से अपने-अपने क्षेत्रो में सफाई अभियान मैं सम्मिलित होने की अपील की है।

इस्कॉन मंदिर में राधा-गोविंद के लिए आएगी हीरे-मोती जड़ित पोशाक

इंदौर। इस बार कृष्ण जन्माष्टमी एक मत से स्मार्त और वैष्णव कृष्ण मंदिर में 26 अगस्त के दिन द्वापर में बने कृष्ण जन्म जैसे संयोग में मनाई जाएगी। शहर के नवीन और प्राचीन मंदिरों में पारंपरिक परंपराएं तो निभाई जाएगी साथ ही कई नवाचार भी होंगे। राधा-गोविंद मंदिर (इस्कॉन) निपानिया में राधा-गोविंद के लिए खास हीरे-मोती जड़ित लाख रुपये की पोषक मंगाई जा रही है। इसके साथ प्राचीन गोपाल, बांके, बिहारी, यशोदा माता मंदिर, रामानुजकोट मंदिर में विभिन्न स्वरूप में विशेष आयोजन होंगे।

इस्कॉन इंदौर के अध्यक्ष स्वामी महामनदास ने बताया कि हर वर्ष जन्माष्टमी पर आने वाले हजारों भक्तों में भगवान का मनोहारी स्वरूप उनके मन में बस जाता है। इसे खास बनाने के लिए इस बार तीन महिने के विशेष प्रयास से कारीगरों ने विशेष पवित्रता के रेशमी पोशाक का निर्माण किया है। इसमें लाल-पीले और हरे रंग का उपयोग किया गया है।सुनहरे रंग की बॉर्डर है। इसमें अलग-अलग रंग और आकार के मोतियों का उपयोग किया गया है। उनको नजर नहीं

लगे इसलिए नींबू की माला भी पहनाई जाएगी। मीडिया प्रभारी हरि अग्रवाल कहते है कि उत्सव में ऑस्ट्रेलिया-अमेरिका से भक्तों का आगमन शुरू हो गया है।परिसर में 10-10 हजार वर्ग फुट वाटरप्रूफ पंडाल बनाया जा रहा है, जहां भक्तों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मेगा स्क्रीन लगाई जाएगी, जिस पर कृष्ण जन्मोत्सव के सभी प्रसंग दिखाई देंगे।

- 150 साल पुराने रामानुजकोट मंदिर यशवंत गंज में एक वर्ष जन्माष्टमी के दिन, उसके अगले वर्ष जन्माष्टमी के अगले दिन और तीसरे वर्ष एक महीने बाद सूर्य की संक्रांति में रोहिणी नक्षत्र होने पर अष्टमी मनती है। विजयाचार्य स्वामी इस बार 27 अगस्त को जन्माष्टमी मनाई जाएगी।

- शहर का 131 साल पुराने खजूरी बाजार स्थित यशोदा माता मंदिर में माता यशोदा की गोद में भगवान कृष्ण बाल स्वरूप में है। पुजारी पं. मनीष दीक्षित बताते है कि 26 को सुबह अभिषेक, रात को महापूजा और जन्म आरती होगी। 27 को छप्पन भोग और 28 को लड्डू गोपाल के विशेष दर्शन होंगे।

- 252 साल पुराने राधा-कृष्ण मंदिर, आड़ा बाजार में कसौटी के पत्थर से बनी मूर्तियों का पूजन किया जाएगा। राधा-कृष्ण का पंचामृत और औषधियों से अभिषेक किया जाएगा। शहर के राजवाड़ा स्थित होलकर कालीन सरकारी गोपाल और बांके बिहारी मंदिर में भी तैयारियां शुरू हो गई है। पुजारी बालमुकुंद पाराशर ने बताया कि सुबह अभिषेक पूजन और बाल भोग लगेगा। बांके बिहारी मंदिर की तपस्विनी विमलाबाई बताती है कि फूल बंगला और श्रृंगार दर्शन होंगे।

सांवेर में आईडीए के 1773 करोड़ रुपये के कार्य चल रहे हैं

मंत्री सिलावट ने कार्यों की समीक्षा कर समय सीमा में पूर्णता के दिए निर्देश

इंदौर। सांवेर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत कुल 1773 करोड़ रुपये के विकास कार्य इंदौर विकास प्राधिकरण द्वारा कराए जा रहे हैं। इन कार्यों की प्रगति की समीक्षा जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने की। उन्होंने समय सीमा में इन कार्यों को पूर्ण गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए। बैठक में इंदौर विकास प्राधिकरण के प्रशासक एवं संभागायुक्त दीपक सिंह, विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक अमित तोमर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी रामप्रकाश अहिरवार एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

मंत्री सिलावट ने टीपीएस-8 के अंतर्गत सिंहस्थ मद से 110.60 करोड़ रूपये की लागत से निर्मित होने वाले रेलवे ओवर ब्रिज के लिए डीपीआर बनाने का काम शीघ्रता से करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस संबंध में रेलवे अधिकारियों के साथ बेहतर समन्वय रखें। मंत्री ने विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए उन्हें समयसीमा में पूरा करने के निर्देश दिये। उन्होंने टीपीएस-08 के अंतर्गत 56.50 करोड़ रूपये की लागत से निर्मित होने वाले हाई लेवल रिवर ब्रिज के निर्माण, योजना क्रमांक-139 में वर्तमान आरओबी के साथ 81.55 करोड़ रूपये लागत के अतिरिक्त फोरलेन आरओबी निर्माण संबंधी वर्तमान प्रगति की समीक्षा की। 73.49 करोड़ रूपये की लागत से एबी रोड से बायपास तक एमआर-11 सड़क निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए सड़क निर्माण में बाधक अतिक्रमण को हटाने तथा अब तक की कार्यवाही की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिये। उन्होंने 66.88 करोड़ रूपये की लागत से निर्माणाधीन लवकुश फ्लायओवर की प्रगति की समीक्षा की तथा उक्त कार्य को समयसीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिये। कनाड़िया एकायना स्कूल के पास श्रीमंत राजमाता माधवीराजे सिंधिया के नाम से गार्डन निर्माण की प्रगति की समीक्षा भी की तथा उक्त गार्डन को बेहतर तरीके से विकसित करने संबंधी आवश्यक दिशा-?निर्देश दिये। उन्होंने 175 करोड़ रूपये की लागत से निर्मित हो रहे लवकुश फ्लायओवर लेवल-2 को अगस्त 2025 तक पूर्ण करने के निर्देश दिये। वहीं 9 करोड़ रूपये की लागत से निर्माणाधीन तुलसीनगर सड़क निर्माण कार्य को समयसीमा में पूर्ण करने के भी निर्देश दिये। 40 लाख रूपये की लागत से निर्मित होने वाले कनाड़िया एकायना स्कूल के पास अहिल्या बावड़ी के जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण कार्य शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिये। उन्होंने निर्देश दिये कि टीपीएस-03 में मास्टर प्लान की सड़कों एवं ग्राम लसुड़िया मोरी एवं मायाखेड़ी क्षेत्र को विकसित करने, 286 करोड़ रूपये की लागत से निर्मित होने वाली 6.96 किलोमीटर की 6 सड़कों को समयसीमा में पूर्ण करें। उन्होंने उक्त मार्ग पर मास्टर प्लान अनुसार 75 मीटर एवं 60 मीटर की चौड़ाई की सड़कों पर अतिक्रमण हटाने संबंधी उठाये गये कदमों पर भी चर्चा की। ग्राम पालकांकरिया में 25.71 करोड़ की लागत से निर्माणाधीन सीएम राइज स्कूल का कार्य समयसीमा में पूर्ण गुणवत्ता के साथ पूरा कराये जाने के निर्देश दिये। टीपीएस-05 में मास्टर प्लान की सड़कों एवं ग्राम कनाड़िया क्षेत्र को विकसित करने, क्षेत्र में 305.64 करोड़ रूपये की लागत से निर्मित होने वाली 4 सड़क जिनकी लंबाई 7.74 किलोमीटर है, को समयसीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिये। टीपीएस-08 में मास्टर प्लान की सड़कों एवं ग्राम भंवरासला, कुमेड़ी, भांग्या, शक्करखेड़ी, कैलोदहाला, तलावलीचांदा, लसुड़ियामोरी एवं अरण्डिया क्षेत्र को विकसित करने तथा 831.05 करोड़ रूपये की लागत से निर्मित होने वाली 6 सड़क, जिनकी लंबाई 11.80 किलोमीटर है, को समयसीमा में पूर्ण कराये जाने संबंधी निर्देश दिये।

दैनिक सद्भावना पाती
इंदौर, रविवार 25 अगस्त, 2024

संपादकीय | हड़ताल से पैदा हुई समस्या का कौन करेगा समाधान!

कोलकाता में एक प्रशिक्षु चिकित्सक की बलात्कार के बाद हत्या की घटना ने सभी संवेदनशील लोगों के भीतर दुख और आक्रोश भर दिया है। यह बेवजह नहीं है कि बड़ी तादाद में लोगों ने इस मामले में न्याय सुनिश्चित करने से लेकर महिलाओं के खिलाफ अपराध पर काबू पाने के लिए एक कारगर व्यवस्था बनाने के लिए आवाज उठाई है। इसी के तहत कई राज्यों में सरकारी अस्पतालों के चिकित्सकों ने हड़ताल कर दी, जिससे वहां कामकाज बाधित हुआ। चिकित्सकों के दुख और गुस्से से किसी को भी असहमति नहीं हो सकती और इस मुद्दे पर उनकी मांग वाजिब है।

विडंबना यह है कि हड़ताल से उन मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, जो मजबूरी में इलाज कराने वहां पहुंचते हैं। कोलकाता की घटना पर दुख के समांतर पिछले कुछ दिनों से यह सवाल भी चिंता की वजह बन रहा था कि चिकित्सकों की हड़ताल की वजह से जो समस्या खड़ी हो रही है, उसका समाधान क्या हो।शायद यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट ने इस मसले पर सुनवाई के दौरान चिकित्सकों की सुरक्षा और संरक्षण को सर्वोच्च राष्ट्रीय चिंता का विषय बताते हुए हड़ताल वापस लेने और काम पर लौटने की अपील की और कहा कि चिकित्सकों के काम से दूर रहने से समाज के उन वर्गों पर असर पड़ता है, जिन्हें चिकित्सीय देखभाल की जरूरत है। शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि न्याय और चिकित्सा को रोका नहीं जा सकता। हड़ताल की वजह से खासतौर पर गरीब तबकों से आने वाले मरीजों को हो रही दिक्कतों का अंदाजा भर लगाया जा सकता है।

ऐसे तमाम लोग होते हैं, जो किसी बीमारी के इलाज के क्रम में अस्पतालों में दो-दो वर्ष पहले समय लेते हैं और बहुत मुश्किल से उन्हें किसी चिकित्सक से इलाज या आपरेशन कराने का मौका मिल पाता है। ऐसे में अगर सिर्फ हड़ताल की वजह से उन्हें यह कहा जाए कि आपका इलाज नहीं हो सकता, तो इसे कैसे देखा जाएगा। दूसरी ओर, सरकारी अस्पतालों में हड़ताल की वजह से अगर कोई मरीज मजबूरी में निजी अस्पतालों या क्लीनिकों में इलाज के लिए पहुंचता है तो वहां उसे आर्थिक खर्च की किस कसौटी को पूरा करना पड़ता है, यह छिपा नहीं है।

निश्चित रूप से एक बेहद तकलीफदेह घटना पर चिकित्सकों का आंदोलित होना और प्रदर्शन करना लोकतांत्रिक अधिकार है। इस आंदोलन को समाज के सभी संवेदनशील लोगों का समर्थन मिला है। मगर इसकी वजह से सरकारी अस्पतालों के कामकाज में जिस स्तर की मुश्किल पेश आई है, वह भी चिंताजनक है। यों सुप्रीम कोर्ट की अपील के बाद दिल्ली में एम्स और राममनोहर लोहिया अस्पताल के चिकित्सकों ने अपनी हड़ताल खत्म करने और ड्यूटी पर जाने की घोषणा कर दी, मगर कुछ राज्यों में अभी भी अस्पतालों की सेवाएं प्रभावित हैं।

गौरतलब है कि चिकित्सकों की शिकायतों को सुनने के लिए एक समिति का गठन कर दिया गया है। वहीं सीबीआइ ने अपनी स्थिति रपट में जिस तरह की लापरवाहियों और सबूतों से छेड़छाड़ की ओर संकेत किया है, वह बंगाल पुलिस और राज्य सरकार के रुख को कठघरे में खड़ा करता है। ऐसी स्थिति में इस मसले पर चिकित्सकों सहित सभी लोगों की चिंता समझी जा सकती है। मगर यह ध्यान रखने की जरूरत है कि किसी आंदोलन से व्यापक स्तर पर वैसे लोगों के जीवन के सामने संकट न पैदा हो, जो पहले ही बीमारी से घिरे कई चुनौतियों का सामना कर रहे हैं!

महिलाओं के विरुद्ध अत्याचार में दोहरा रवैया

महिलाओं के खिलाफ जघन्य अपराध का कोई मामला जब तूल पकड़ते हैं, तब उसे लेकर सवाल उठाने वालों, विरोध प्रदर्शनों का आह्वान करने और उसमें हिस्सा लेने वालों में बहुत सारे नेता और खासतौर पर जनप्रतिनिधि भी मुखर रूप से शामिल होते हैं। मगर इससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि जो जनप्रतिनिधि इस सवाल पर आक्रोशित जनता के साथ खड़े दिखते हैं, वे खुद अपने सहयोगियों पर महिलाओं के विरुद्ध अपराध के आरोपों को लेकर ज्यादा गंभीर नहीं होते। यह छिपा तथ्य नहीं है कि हर चुनाव में ऐसे लोग भी बतौर उम्मीदवार किसी सीट पर अपना दावा पेश करते हैं और उनमें से कई जीत कर जनप्रतिनिधि भी बन जाते हैं, जिन पर गंभीर अपराधों के आरोप होते हैं। अगर किसी जनप्रतिनिधि पर महिलाओं के खिलाफ जघन्य अपराध करने या उसमें शामिल होने का आरोप है, तो उससे महिलाओं के हक में ईमानदार लड़ाई की कितनी उम्मीद की जा सकती है! जनता के नुमाइंदे कहे जाने वाले जो लोग खुद गैरकानूनी गतिविधियों में लिप्त होने के आरोपी होते हैं, वे कानून बनाने या बचाने के दायित्व के प्रति कितने गंभीर हो सकते हैं? यह बेवजह नहीं है कि चुनावी नैतिकता और शुचिता की मांग के बावजूद आज भी अच्छी-खासी संख्या में ऐसे जनप्रतिनिधि हैं, जिन पर गंभीर अपराधों के आरोप हैं। ये मामले जगजाहिर रहे हैं, मगर इसे एक बार फिर एसोसिएशन फार डेमोक्रेटिक रिसर्च ने जारी किया है, जिसमें पिछले पांच वर्ष में महिलाओं के खिलाफ अपराध से संबंधित मामलों का सामना कर रहे एक सौ इक्यावन सांसदों-विधायकों को चिह्नित किया गया। इनमें सोलह पर बलात्कार जैसे जघन्य अपराध का आरोप है। सभी आरोपों को सिर्फ राजनीतिक बदला या साजिश बता कर खारिज नहीं किया जा सकता। विडंबना यह है कि ऐसे मामलों में जांच, सुनवाई और फैसला लंबे समय तक टलता रहता है। चुनाव आयोग भी ऐसे लोगों के चुनाव लड़ने और जीत कर जनप्रतिनिधि के रूप में काम करने को लेकर कोई स्पष्ट रुख तय नहीं कर पाता! ऐसे दागी नुमाइंदों को लेकर नरम रवैया क्या एक बड़ी वजह नहीं है कि महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों के खिलाफ कोई ठोस और नतीजा देने वाली व्यवस्था खड़ी नहीं हो पा रही?

आज का कार्टून

मप्र सरकार के दो निर्णयों की यूनिसेफ़ ने भी की सराहना

यूनिसेफ पूर्व से ही (यूनिसेफ़) की भारतीय इकाई भारत सरकार के साथ मिलकर स्कूल हाईजीन और मासिक धर्म संबंधी स्वास्थ्य जागरुकता की दिशा में अभियान चलाये हुए है। विगत सप्ताह मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छात्राओं के सम्मान व उनसे संवाद के एक कार्यक्रम में समग्र शिक्षा अभियान के अंर्तगत प्रदेश की उन्नीस लाख छात्राओं के खाते में सत्तावन करोड़ अट्ठारह लाख रू. की राशि सैनिटरी नैपकिन हेतु ट्रांसफ़र कर दी थी। यह राशि कक्षा सातवीं से बारहवीं तक की छात्राओं को दी जाएगी जिससे वे स्वयं नैपकिन क्रय कर सकेंगी। इस योजना से उन्हें एक वर्ष हेतु तीन सौ रु. मिलेंगे। इस योजना के अंर्तगत समग्र शिक्षा अभियान में विद्यालयों व महाविद्यालयों की छात्राओं को मासिक धर्म के समय स्वच्छता की महत्व और महत्व को भी बताया जाना है। प्रदेश में पूर्व से ही महिला एवं बाल विकास की एक उदिता योजना भी कार्यरत है जिसमें अट्ठारह से उन पचास आयु वर्ग की महिलाओं आंगनवाड़ी के कार्यकर्ताओं द्वारा लाभ दिया जाता है।

प्रवीण गुगनानी

पिछले दिनों में मप्र की मोहन यादव सरकार ने दो निर्णय लिए हैं और दोनों ही से वे अपार लोकप्रियता प्राप्त करने जा रहे हैं। प्रदेश की किशोरी छात्राओं हेतु लिए गए एक निर्णय की तो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा व प्रसंशा हो रही है। एक निर्णय की अंतर्राष्ट्रीय एक योजना जहां प्रदेश के किसानों हेतु शुभसमाचार है वहीं दूसरी योजना प्रदेश की स्कूली बालिकाओं के लिए प्रसन्न कर देने वाली है। बालिकाओं को निःशुल्क सैनिटरी पेड देने वाली इस योजना की प्रशंसा संयुक्त राष्ट्र संघ, के संगठन यूनिसेफ़ ने भी मुक्त कंठ से की है। देश के कुछ प्रदेशों में छात्राओं को निःशुल्क सैनिटरी नैपकिन दिये जाते रहे हैं किंतु इस संदर्भ में बालिकाओं को नगद राशि देने वाला प्रथम राज्य मप्र बन गया है। इस प्रकार नगद राशि से बालिकाऐं अपनी पसंद व आवश्यकतानुसार सामग्री स्वयं क्रय सकेंगी। मप्र के मुख्यमंत्री मोहन यादव की सैनिटेशन एवं हाईजीन योजना को यूनिसेफ़ ने एक उत्कृष्ट योजना बताया है। यूनिसेफ़ ने एक्स (ट्विटर) पर अपने एकाउंट में लिखा कि यह एक अनूठा नवाचार है और प्रसंशा करते हुए इस योजना को शुभकामनाएँ दे है। डॉ. मोहन यादव ने भी अपने एक्स अकाउंट पर यूनिसेफ़ को इस योजना की प्रसंशा करने हेतु धन्यवाद देते हुए कहा है- मध्य प्रदेश के किशोरों और बच्चों के लिए काम करने की हमारी प्रतिबद्धता को विश्व स्तर पर मान्यता देने के लिए यूनिसेफ़ इंडिया को हार्दिक धन्यवाद।

यूनिसेफ पूर्व से ही (यूनिसेफ़) की भारतीय इकाई भारत सरकार के साथ मिलकर स्कूल हाईजीन और मासिक धर्म संबंधी स्वास्थ्य जागरुकता की दिशा में अभियान चलाये हुए है। विगत सप्ताह मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छात्राओं के सम्मान व उनसे संवाद के एक कार्यक्रम में समग्र शिक्षा अभियान के अंर्तगत प्रदेश की उन्नीस लाख छात्राओं के खाते में सत्तावन करोड़ अट्ठारह लाख रू. की राशि सैनिटरी नैपकिन हेतु ट्रांसफ़र कर दी थी।

यह राशि कक्षा सातवीं से बारहवीं तक की छात्राओं को दी जाएगी जिससे वे स्वयं नैपकिन क्रय कर सकेंगी। इस योजना से उन्हें एक वर्ष हेतु तीन सौ रु. मिलेंगे। इस योजना के अंर्तगत समग्र शिक्षा अभियान में विद्यालयों व महाविद्यालयों की छात्राओं को मासिक धर्म के समय स्वच्छता की महत्व और महत्व को भी बताया जाना है। प्रदेश में पूर्व से ही महिला एवं बाल विकास की एक उदिता योजना भी कार्यरत है जिसमें अट्ठारह से उन पचास आयु वर्ग की महिलाओं आंगनवाड़ी के कार्यकर्ताओं द्वारा लाभ दिया जाता है।

चर्चा में आई कृषक व श्रीअन्न आधारित दूसरी योजना भी राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय होने जा रही है। मप्र के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के किसानों हेतु रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना लागू की है। कृषक जगत हेतु महत्वपूर्ण इस योजना में श्रीअन्न जैसे कोदो, कुटकी, रागी, ज्वार, बाजरा, कंगनी, सांवा आदि को उपजाने वाले कृषक बंधुओं को प्रति किलो 10 रुपये दिए जाएंगे।

कृषकों को दस रू. प्रति किलोग्राम दस रुपये देने की योजना जहां देश के लिए बड़ी मात्रा में श्रीअन्न उपजाने हेतु प्रेरणा व आर्थिक संबल देगी वहीं कृषकों, विशेषतः जनजातीय कृषकों हेतु वरदान सिद्ध हो सकती है। हमारे प्रदेश के जनजातीय पूर्व से ही इन मोटे अनाजों को उपजाते व खाते रहें हैं किंतु अब इस योजना से वे श्रीअन्न का उत्पादन बढ़ायेंगे। संयुक्त राष्ट्र संघ ने भारत की पहल पर वर्ष 2023 को श्रीअन्न वर्ष घोषित किया था। प्रधानमंत्री जी, नरेंद्र मोदी भी श्रीअन्न को अपने भाषणों व कथनों में स्थान देते रहते हैं जिससे देश में मोटा अनाज खाने का एक सुदृढ़ वातावरण बन गया है। इस स्थिति में इन अनाजों हेतु बाज़ार बढ़ना ही है। अब इस योजना से मप्र के कृषक विशेषतः जनजातीय कृषक विषे तौर पर लाभान्वित होंगे।

कृषकों को उनकी प्रोत्साहन राशि सीधे उनके खाते में अंतरित की जाएगी। ये अनाज प्रमुख रूप से मंडला, डिंडोरी, बालाघाट, शहडोल, अनूपपुर, बैतूल, छिंदवाड़ा, सीधी और सिंगरौली जैसे जनजातीय बहुल जिलों में उगाए जाते हैं। प्रदेश में मोटे अनाजों के उत्पादन, प्रसंस्करण और विपणन पर केंद्रित एक सम्मेलन का आयोजन भी पूर्व में हो चुका है। प्रदेश के डिंडोरी ज़िले में श्रीअन्न अनुसंधान संस्थान केंद्र के निर्माण की भी घोषणा हो चुकी है। यद्दपि वर्तमान में मप्र, देश के मोटे अनाज के उत्पादन में केवल 3.5 प्रतिशत का योगदान देता है वहीं राजस्थान में देश का 33 प्रतिशत व कर्नाटक में 23 प्रतिशत रकबे में इसकी कृषि की जाती है। मोटे अनाज स्वास्थ्य की दृष्टि से अत्यधिक उपयोगी व लाभप्रद होते हैं। इनमें खनिज, मिनरल्स व प्रोटीन्स की मात्रा अत्यधिक होती है। इन सभी गुणों के कारण श्रीअन्न को कई बीमारियों के निदान हेतु भी उपयोग किया जाने लगा है।

वर्तमान समय में मप्र में छः लाख बीस हजार हेक्टेयर भूमि पर मोटा अनाज उत्पादित किया जा रहा है जबकि वर्ष 2021-22 में यह पांच लाख पचपन हजार हेक्टेयर पर ही श्रीअन्न उपजाया जाता था। मप्र देश में मोटे अनाजों के उत्पादन में पाँचवें न. पर है। वर्ष 2023-24 में प्रदेश में 12.68 लाख टन मोटे अनाजों का उत्पादन हुआ, जो 2019-20 में 8.96 लाख टन था। प्रदेश में सबसे अधिक लगभग 60 प्रतिशत बाजरा उगाया जा रहा है।

प्रदेश के कृषकों को दस रुपये प्रति किलोग्राम की प्रोत्साहन राशि व शालेय किशोरियों को सैनिटरी नैपकिन देने की योजना से निश्चित ही मप्र की मोहन सरकार देश भर में अग्रणीं होने जा रही है।

- मप्र के महाकोशल के मंडला, डिंडोरी, बालाघाट आदि जिलों में श्रीअन्न का ज्यादा उत्पादन होता है।
- उत्पादन क्षेत्र नहीं बढ़ने की बड़ी वजह यह भी है कि प्रदेश में इसकी बड़ी खाद्य प्रसंस्करण इकाई नहीं हैं।
- देशभर में कुल खाद्यान्न उत्पादन के 10 प्रतिशत हिस्से में मोटा अनाज उगाया जा रहा है।
- राजस्थान में सर्वाधिक 33 और कर्नाटक में कुल खाद्यान्न 23 प्रतिशत क्षेत्र में श्रीअन्न का उत्पादन किया मप्र के महाकोशल के मंडला, डिंडोरी, बालाघाट आदि जिलों में श्रीअन्न का ज्यादा उत्पादन होता है।
- उत्पादन क्षेत्र नहीं बढ़ने की बड़ी वजह यह भी है कि प्रदेश में इसकी बड़ी खाद्य प्रसंस्करण इकाई नहीं हैं।
- देशभर में कुल खाद्यान्न उत्पादन के 10 प्रतिशत हिस्से में मोटा अनाज उगाया जा रहा है।
- राजस्थान में सर्वाधिक 33 और कर्नाटक में कुल खाद्यान्न 23 प्रतिशत क्षेत्र में श्रीअन्न का उत्पादन किया जा रहा है। ऐसी ही प्रोत्साहन योजनाओं व कृषकोंको मिल रही नियोजित मार्केटिंग की योजनाओं व अच्छे मूल्यों के प्राप्त होने के चलते ही मप्र में जहां वर्ष 2019-20 में आठ लाख छ्यानवे हज़ार मेट्रिक टन का उत्पादन होता था वहीं 2023-24 में मोटे अनाज का यह उत्पादन बारह लाख अड़सठ हज़ार टन का हो गया है।

उच्चतम सुरक्षा मानकों को कायम रखने एम.पी. ट्रांसको प्रतिबद्ध : प्रबंध संचालक इंजी. सुनील तिवारी

मेंटेनेंस कार्मिकों के लिये हिन्दी में तैयार की गई नई सुरक्षा नियमावली

इंदौर। एम.पी. ट्रांसको (मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी) ने अपने जीरो एक्सीडेंट और सुरक्षा सर्वोपरि लक्ष्य को कायम रखने की दिशा में एक और उल्लेखनीय कदम आगे बढ़ाते हुये हिन्दी में सुरक्षा नियमावली (सेफ्टी मैनुअल) विकसित किया है। गत दिवस जबलपुर में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में एम.पी. ट्रांसको के प्रबंध संचालक इंजी. सुनील तिवारी, मुख्य अतिथि निवर्तमान मुख्य अभियंता के.के. मूर्ति, ने इस सुरक्षा नियमावली (सेफ्टी मैनुअल) का विमोचन किया। आई.ई. रूल्स -1956, इंडियन इलेक्ट्रिक सिटी एक्ट-2003, सी.ई.ए. रेगुलेशन्स -2010 एवं ग्रिड कोड के अंतर्गत सुरक्षा संबंधित गाइडलाइनों के अनुसार विकसित की गई यह सुरक्षा नियमावली (सेफ्टी मैनुअल) एम.पी. ट्रांसको के 41,000 सर्किट कि.मी. से अधिक की ट्रांसमिशन लाईनों एवं 416 एक्स्ट्रा हाईटेंशन सबस्टेशनो में मेंटेनेन्स करने वाले कार्मिकों की सुरक्षा को ध्यान में रख कर तैयार की गई है। इस सुरक्षा नियमावली के विमोचन पर अपने संदेश में एम.पी. ट्रांसको के प्रबंध संचालक इंजी. सुनील तिवारी ने उम्मीद जाहिर की, कि कंपनी के जीरो एक्सीडेंट लक्ष्य को कायम रखने यह सुरक्षा नियमावली (सेफ्टी मैनुअल) बहुत उपयोगी साबित होगा। इस नियमावली को बनाने के लिये किया गया प्रयास सराहनीय है और यह उच्चतम सुरक्षा मानकों को बनाये रखने के लिये एम.पी. ट्रांसको की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने विश्वास जताया कि मैंटेनेन्स से जुड़ा हर कार्मिक अत्यंत समर्पण के साथ नियमावली के दिशा -निर्देशों का पालन करेगा। एम.पी. ट्रांसको के मुख्य अभियंता के प्रवीण गार्गव के मार्गदर्शन में अभियंतागण अतुल नावर, दीपक कुमार, चंद्रकांत श्रीवास्तव एवं जितेन्द्र तिवारी की टीम ने इस सुरक्षा नियमावली (सेफ्टी मैनुअल) को तैयार किया है। यह सुरक्षा नियमावली (सेफ्टी मैनुअल) डिजीटल, प्रिंट दोनो वर्जन मे तैयार किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

10 टुकड़ों में बंट जाएगा वंडर इलेक्ट्रिकल्स का शेयर, कंपनी ने किया ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। वंडर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ने स्टॉक स्प्लिट का ऐलान किया है। कंपनी ने एक शेयर को 10 हिस्सों में बांटा जाएगा। हालांकि, इस फैसले पर निवेशक बहुत खुश नहीं दिखे। बता दें, पिछले एक साल के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में तेजी देखने को मिली है। 22 अगस्त को शेयर बाजारों को दी जानकारी में कहा गया है कि 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर को 10 हिस्सों में बांटा जाएगा। इस स्टॉक स्प्लिट के बाद कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू घटकर 1 रुपये हो जाएगी। कंपनी ने इस स्टॉक स्प्लिट के लिए अभी तक रिकॉर्ड डेट का ऐलान नहीं किया है। लेकिन उम्मीद है कि आने वाले समय में कंपनी रिकॉर्ड डेट का ऐलान कर सकती है। शुक्रवार को कंपनी के शेयर गुरुवार की क्लोजिंग की तुलना में बढ़त के साथ 1617.85 रुपये के लेवल पर खुला था। वहीं, कंपनी के शेयर 1620 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गए थे। यह कंपनी का 52 वीक हाई है। हालांकि, इस स्तर पर पहुंचने के बाद कंपनी के शेयर 11.75 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1149.65 रुपये के इंट्रा-डे लो लेवल पर पहुंच गया था। शुक्रवार को बाजार 1464.55 रुपये के लेवल पर बंद हुआ है। बीते एक साल के दौरान वंडर इलेक्ट्रिकल्स के शेयरों की कीमतों में 529 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। वहीं, 6 महीने से स्टॉक का होल्ड करने वाले निवेशकों को अबतक 294 प्रतिशत का लाभ मिला है। बीते एक महीने में स्टॉक को भाव 17 प्रतिशत बढ़ा है। कंपनी एक शेयर पर 1 रुपये का डिविडेंड दे रही है। कंपनी के शेयर 18 सितंबर को एक्स-डिविडेंड स्टॉक के तौर पर ट्रेड करेगा। कंपनी योग्य निवेशकों को एक शेयर पर एक रुपये का डिविडेंड देगी।

दिग्गज निवेशक ने अडानी की कंपनी पर फिर लगाया दांव, खरीद डाले 4.39 करोड़ शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। गौतम अडानी समूह के प्रमोटर ने शुक्रवार को ओपन मार्केट ट्रांजैक्शन के जरिये अंबुजा सीमेंट्स में लगभग 2.8 प्रतिशत हिस्सेदारी बेच दी है। यह हिस्सेदारी जीक्यूजी पार्टनर्स जैसे निवेशकों को 4,250 करोड़ रुपये में बेची गई है। प्रमोटर ने अंबुजा सीमेंट्स की हिस्सेदारी को अपने नियमित समायोजन के हिस्से के रूप में बेचा, ताकि अडानी समूह में अपनी हिस्सेदारी को मनचाहे स्तर पर बनाए रखा जा सके। इस बीच, राजीव जैन समर्थित जीक्यूजी पार्टनर्स ने दो अलग-अलग लेन-देन में बल्क डील के जरिये अंबुजा सीमेंट्स में 4.39 करोड़ से अधिक शेयर (1.78 प्रतिशत हिस्सेदारी) खरीदे। शेयरों को 625.50 रुपये प्रति शेयर की औसत कीमत पर खरीदा गया, जिससे ज्वाइंट डील का मूल्य 2,746.79 करोड़ रुपये हो गया। इस बड़ी डील के बाद फोर्ट लॉडरडेल स्थित संपत्ति प्रबंधन कंपनी जीक्यूजी पार्टनर्स की अंबुजा सीमेंट्स में हिस्सेदारी 1.35 प्रतिशत से बढ़ाकर 3.13 प्रतिशत हो गई है।

CBSE, ISTM join forces to launch 2-day 'Training of Trainers' certification course for teachers and heads

The Central Board of Secondary Education, CBSE, has signed an MoU with the Institute of Secretariat Training and Management (ISTM) under the Department of Personnel & Training, Ministry of Personnel, Public Grievances and Pensions, for conducting a 2-day Training of Trainers (ToT) Certification Course. The pilot programme of the curriculum was launched on Friday, August 23, 2024, at the Academic Block of ISTM at Olof Marg in New Delhi by CBSE Chairman Rahul Singh. The training course aligns with the National Education Policy (NEP) 2020 which mandates 50 hours of continuous professional development for all teachers/head teachers. Notably, ISTM is known for its expertise in delivering core training skills which involves Direct Trainers Skills (DTS) and Design of Training (DoT). The ToT has been designed by merging the core components of DTS and DoT and the Integrated Approaches to Child & Adolescent Development.

CBSE Chairman Singh emphasized the need to empower schools to transition towards new-age learning mechanisms that closely reflect the future of work. "Realizing this vision in a bid to make India a developed nation by 2047 as well as improve the quality of education, CBSE took up this initiative which would go a long way in achieving training standards," he said. CBSE is targeting to train nearly 15,000 Resource Persons (RPs) in several batches. Additionally, the board will be catering to the training needs of 13 lakh teachers in its affiliated schools through this trained pool of resource persons.

The training course will also help in progressing in accordance with the competency parameters ('Skilled', 'Advanced', and 'Expert') defined in the National Professional Standards for Teachers (NPST). On successful completion of the course, the participants will be awarded a certificate jointly signed by CBSE and ISTM. As per a press release, the training is free of cost. It is being organized in different cities to ensure access and participation at an all-India level. The MoU signing ceremony was attended by personalities which included Chhavi Bhardwaj, Joint Secretary (Training), Department of Personnel and Training, Government of India. The MoU was exchanged between CBSE Director (Training) Manoj Srivastava and ISTM Director Rajiv Manjhi.

Himanshu Gupta, Secretary at CBSE, highlighted the importance of continuous professional development as mentioned in the National Education Policy 2020 and called upon all to take advantage of this trainers' certification course. The CBSE has sought the active participation of heads and teachers at all affiliated schools. Experienced teachers who are interested in taking part in the training course can register online at https://cbseit.in/cbse/training/register_rp_new.aspx.

Ministry of Education urges states to enforce school safety guidelines

The Ministry of Education has issued a directive to all States and Union Territories (UTs) to implement the "Guidelines on School Safety and Security-2021" to enhance the protection of children in educational institutions. This move follows directives from the Supreme Court in Writ Petitions (Criminal) No. 136 of 2017 and (Civil) No. 874 of 2017. The guidelines, aligned with the Protection of Children from Sexual Offences (POCSO) Act, are designed to establish clear accountability for school management across Government, Government-aided, and Private Schools. Key aspects include preventive education, reporting procedures, legal provisions, support services, and the creation of a safe environment conducive to learning.

The Ministry has requested States and UTs to provide updates on the notification status of these guidelines within their jurisdictions. The guidelines, which were initially circulated on October 1, 2021, and are advisory in nature, offer flexibility for States to tailor them to local needs. They stress a 'Zero Tolerance Policy' towards negligence regarding child safety. The purpose of these guidelines is to create an understanding among all stakeholders, including students and parents, on the need for co-creating a safe and secure school environment for the holistic development of children and to make different stakeholders aware about the acts, policies, procedures and guidelines already available on different aspects of safety and security i.e., physical, socio-emotional, cognitive and specific to natural disasters as well.

The guidelines are made to empower different stakeholders and enable clarity on their role in the implementation of this guideline. It is to fix accountability for keeping children safe and secure in schools (including while children are transported to and fro, to attend school or go back to their homes in a school transport) on School Management and Principals and Teachers in Private/Unaided Schools, and Head/in-charge Head of School, Teachers and education administration in case of government/government-aided schools.

Australia tightens visa regulations for Int'l students amid surge in enrollment

The Australian government has implemented stricter visa regulations to manage the quality of international students and address visa misuse. According to TravelBiz, international student enrollment in Australia has increased, with more students choosing Australian universities. Research from International Education Data shows that, as of April 2024, there have been 780,104 international student enrollments, a 16 per cent rise from the same period in 2019.

Recent changes to visa rules

TravelBiz reports that the Australian government has revised its student visa regulations to better manage the flow of international students. These changes aim to improve the student experience but also introduce stricter requirements. One major change is the increase in English proficiency standards. Australia has raised the English language requirements for student visa applicants to ensure they can fully engage in their education and daily life. Previously, lower minimum scores were acceptable on tests like IELTS, TOEFL, or PTE. The new requirement demands higher minimum scores, reflecting a stronger command of English. This change is intended to help students better integrate into the academic environment but may pose challenges for non-native English speakers.

Financial requirements- The Australian government has tightened financial proof requirements to ensure international students have sufficient funds for their stay. Previously, lower proof of financial stability covering living expenses and tuition was required. The new requirement demands an increase in proof of funds, including living costs, , tuition, and travel expenses.

Australia has also introduced policies to block non-genuine students from entering the country. These new measures are designed to protect the integrity of the student visa system. In addition, visa application fees have increased. The new fee is AUD 1,600, up from around AUD 630. Reports from Enjoy Your Travel indicate that an Australian visitor visa application cost AUD 140 (about 51,000 Naira) last year. Furthermore, temporary graduate visas are now limited to graduates aged 35 and under. The two-year extension for temporary graduate visas has been removed, and the introduction of the Genuine Temporary Entrant (GTE) criteria requires detailed personal statements and evidence of intent to return home. New regulations also include stricter compliance requirements and regular audits for educational institutions. There is increased support for high-need areas, with new incentives such as scholarships, reduced fees, and expedited visa processing for fields like health and education.

What you should know- To navigate these new regulations, students should apply early to manage document requirements and potential issues They must also provide evidence of financial stability to cover study and living costs and improve their English proficiency by taking recognized tests. Australia remains a key destination for international students, and understanding these changes can help students achieve their academic goals in Australia's education system.

NEET PG 2024 result out at natboard.edu.in

The result of the National Eligibility cum Entrance Test for Postgraduate (NEET PG) 2024 has been announced. Candidates who have appeared in the test can now check it on the official website of the National Board of Examinations in Medical Sciences, natboard.edu.in. The NBEMS has only shared the marks secured by the candidates in the result document, and detailed scorecards will be released on August 30, 2024. The board has also shared the cut-off marks for different categories. Those who have secured equal to or more than the mentioned cut-off marks are eligible to apply for counselling. Next, the Medical Counselling Committee (MCC) and the respective state counselling authorities will hold NEET PG counselling for postgraduate medical admissions. The schedule for the All India Quota (AIQ) NEET PG counselling will be released soon on mcc.nic.in. The entrance test is held every year for admission to MD/MS/DNB/Diploma courses at participating institutions across the country. This year, the test took place on August 11 (Sunday), in two shifts. For further updates, candidates should visit the official website of NBEMS.

SSC CGL 2024: Tier 1 admit cards released at ssc.gov.in

The Staff Selection Commission (SSC) has released the admit cards for the Combined Graduate Level (CGL) 2024 Tier 1 exams. Candidates who have completed the application process for SSC CGL 2024 can now download their admit cards from the official regional website, ssc.gov.in. The released admit cards are available region-wise, except the Madhya Pradesh, Chhattisgarh, Rajasthan, Delhi, and Uttarakhand regions, for which the cards have not yet been issued. To find the appropriate links for each region, candidates have to visit the SSC's main website at ssc.gov.in. The candidates can also view the status of their application from the SSC website.

Candidates will have to use their registration number, roll number, or name along with their date of birth and other required details to check the status of their application and download the SSC CGL 2024 admit card. The admit card will be accessible through the official SSC website. The SSC CGL 2024 admit card will contain essential candidate details like name, father's name, roll number, address, date of birth, caste category, exam date, exam center address, and reporting time.

Exam date

The SSC CGL 2024 Tier 1 exam is set to be conducted between September 9 to September 26, and in different shifts each day. This recruitment drive is intended to fill a total of 17,727 positions across Group 'B' and Group 'C' categories. On the day of the exam, candidates must be present at the exam centre along with their admit card along with a photograph and a valid government-issued ID, such as an Aadhaar card, PAN card, voter ID, or driving license.

GATE 2025: Registration Date Revised

Registrations for the Graduate Aptitude Test in Engineering (GATE) 2025 will commence on August 28 and conclude on September 26, 2024, as per the revised schedule. The exam is set to be held on February 1, 2, 15, and 16, 2025, for admission to postgraduate engineering programmes. GATE 2025 will be conducted in computer-based test (CBT) mode, with city centers divided into eight zones.

Revised Schedule

- Opening Date of GATE Online Application Processing System (GOAPS): August 28, 2024
- Closing Date of regular online registration/application process (without late fee): September 26, 2024
- Closing Date of extended online registration/application process (with late fee): October 7, 2024
- examination dates: February 1, 2, 15, and 16, 2025
- result date: March 19, 2025

The GATE exam is a nationwide test that assesses candidates' knowledge in various undergraduate-level disciplines. Successful qualifiers can pursue Master's and Doctoral programmes, potentially with financial aid. GATE scores are also considered by educational institutions and Public Sector Undertakings (PSUs) for recruitment processes.

Paper Pattern- GATE 2025 will consist of 30 examination papers, allowing candidates to choose one or two test papers from permissible combinations. The exam duration will be three hours, and GATE scores will be valid for three years from the result announcement date. The exam will feature questions in three formats: Multiple Choice Questions (MCQ), Multiple Select Questions (MSQ), and Numerical Answer Type (NAT) questions. Candidates will be evaluated on Recall, Comprehension, Application, Analysis, and Synthesis.

Eligibility Criteria- Candidates are advised to ensure they meet the eligibility criteria for GATE 2025 before submitting an application. Candidates in the third or higher years of any undergraduate degree programme, or those who have completed any government-approved degree programme in Engineering, Technology, Architecture, Science, Commerce, Arts, or Humanities, are eligible to appear in the GATE exam.

डीएवीवी: एमएड पाठ्यक्रम की परीक्षा घोषित, दूसरे सेमेस्टर की 20 सितंबर और तीसरे सेमेस्टर की 21 सितंबर से

इंदौर। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय ने एमएड पाठ्यक्रम की परीक्षा घोषित कर दी। तीन महीने पिछड़ी परीक्षा सितंबर में रखी है, जिसमें दूसरे-तीसरे सेमेस्टर के प्रश्न पत्र एक साथ होंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन ने महीने भर पहले इन पाठ्यक्रम की परीक्षा का शेड्यूल वेबसाइट पर अपलोड कर दिया है। एमएड दूसरे सेमेस्टर की 20 से 25 सितंबर और एमएड तीसरे सेमेस्टर की 21 से 26 सितंबर के बीच परीक्षा होगी। दूसरे-तीसरे सेमेस्टर में तीन-तीन पेपर रखे है। अब विद्यार्थियों से परीक्षा फार्म भरवाए जा रहे है। दोनों परीक्षा में करीब एक हजार विद्यार्थी सम्मिलित होंगे। तीन से चार केंद्र पर परीक्षा होगी। अधिकारियों के मुताबिक कालेजों को सितंबर तीसरे सप्ताह तक इंटरनल परीक्षा करवाना है। उसके

मार्क्स भी विश्वविद्यालय को ऑनलाइन जमा करवाना होंगे।

परीक्षा नियंत्रक डॉ. अशेष तिवारी के मुताबिक परीक्षा होने के बाद विद्यार्थियों की उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन शुरू किया जाएगा। अक्टूबर तक रिजल्ट जारी करेंगे। वे बताते है कि एमपीएड दूसरे सेमेस्टर की परीक्षा 3 सितंबर से रखी है, जो 11 सितंबर तक चलेगी। ये सभी परीक्षाएं सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे वाले सत्र में रखी है। परीक्षा के दौरान नकल रोकने के लिए केंद्रों पर उड़नदस्ता दल निगरानी रखेगा।

उच्च शिक्षा विभाग: अपने स्तर पर फार्म तैयार कर सकते है कॉलेज

छुट्टी वाले दिन भी संस्थान खोलने का निर्णय

इंदौर। ऑफलाइन प्रवेश पद्धति को लेकर दूसरे दिन भी उच्च शिक्षा विभाग की तरफ से कोई स्पष्ट गाइडलाइन नहीं आई। इस वजह से शुक्रवार को सरकारी और निजी कालेजों में एक भी प्रवेश नहीं हुए। विभाग के ओएसडी डा. तुलसीराम दहायत ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से अग्रणी कॉलेजों के प्राचार्यों से चर्चा की गई। उसमें इन बिंदुओं पर सहमति बनी है कि 24 से 27 अगस्त के बीच विद्यार्थी से प्रवेश फार्म भरवाया जाएगा। यह फार्म कालेज अपने स्तर पर तैयार कर सकते है। इस अवधि में सरकारी कॉलेजों को विद्यार्थियों के दस्तावेजों का भी आफलाइन सत्यापन करना होगा। अब दिक्कतें यहां खड़ी हो रही है कि 25 अगस्त को रविवार और 26 अगस्त को जन्माष्टमी की छुट्टी है। ऐसे में छुट्टी के दिन विद्यार्थियों को प्रवेश प्रक्रिया पूरी करने के लिए कॉलेज बुलाया है। विभाग ने 28 से 31 अगस्त तक फीस भरने की व्यवस्था रखी है। उधर कॉलेजों ने छुट्टी वाले दिन भी संस्थान खोलने का निर्णय लिया है।

भटकते रहे विद्यार्थी- 21 अगस्त को उच्च शिक्षा विभाग ने बिना तैयारी आफलाइन प्रवेश प्रक्रिया रखी। गुरुवार-शुक्रवार को सीधे प्रवेश लेने को लेकर विद्यार्थी अपने पसंदीदा कॉलेजों में पहुंचे। मगर आवेदन नहीं कर पाए। दिशा-निर्देश नहीं मिलने से कॉलेजों ने भी फार्म नहीं दिए। छात्र-छात्राओं के बढ़ते दबाव के चलते विभाग ने दोपहर 2 बजे अग्रणी कॉलेज की बैठक बुलाई। ओएसडी डॉ. दहायत ने प्राचार्यों को निर्देश दिए है कि शनिवार सुबह 11 बजे जिले के समस्त सरकारी और निजी कॉलेजों की बैठक बुलाई जाएगी, जिसमें प्रवेश फार्म अपने स्तर बनाकर दिए जाए। साथ ही प्रवेश से जुड़े दिशा-निर्देश के बारे में बताया जाएगा।

सुबह 11 बजे तक भर सकेंगे फीस- उच्च शिक्षा विभाग ने शुक्रवार को एक और महत्वपूर्ण फैसला लिया है। विभाग ने कॉलेज लेवल काउंसलिंग (सीएलसी) तीसरे चरण में प्रवेश ले चुके विद्यार्थियों के लिए फीस भरने की विशेष व्यवस्था रखी है।

नई कंपनी में अपनी नौकरी पक्की करने के लिए अपनाएं ये मजेदार तरीके

नई कंपनी में शुरुआत में नौकरी पक्की करने के लिए आप चाहे तो कुछ तरीके को अपना सकती हैं। इससे आपका लोगों के साथ बांडिग स्ट्रांग हो जाएगा।

नई कंपनी में नौकरी शुरू करना इतना आसान नहीं होता है। शुरुआत में आप किसी को नहीं जानते हैं तो आपको काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। कई बार आपकी दोस्ती भी नहीं हो पाती है। हर कोई चाहता है कि उसकी नई नौकरी में उन्हें शुरुआत में किसी भी दिक्कत का सामना ना करना पड़े। शुरुआती कुछ हफ्ते या महीने ही यह तय करते हैं कि आप कंपनी के लिए सही च्वाइस है या नहीं। ऐसे में शुरुआत के 6 महीने में ही आपका मेनेजर यह जान जाता है कि आपको आगे रखना है या नहीं। चलिए जानते हैं नौकरी पक्की करना का आसान तरीका।

पहले इंप्रेशन को बनाएं मजबूत

आपने यह तो सुना ही होगा कि पहला इंप्रेशन ही आखिरी इंप्रेशन होता है। ऐसे में आपको शुरुआत में अपने काम पर काफी ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। अगर आपका काम शुरुआत में अच्छा होगा तो आपको आगे जाकर ज्यादा दिक्कत नहीं होगी।

सहकर्मियों से दोस्ती करें

नई नौकरी में आपको तुरंत अपने सहकर्मियों के साथ दोस्ती कर लेनी चाहिए। अगर आप सहकर्मियों के साथ अच्छा बांड शेयर करेंगे तो आपको ज्यादा दिक्कत नहीं होगी। आपको कुछ समय नहीं आ रहा है तो आपको अपने सहकर्मियों की मदद लेनी चाहिए। ध्यान रखें कि शुरुआत में आपको किसी के साथ बदतमीजी नहीं करनी है।

फीडबैक को समझें

शुरुआत में आपके काम को लेकर आपको फीडबैक दिया जाता है। इससे आपको गंभीरता से लेना है और अपने काम को सुधारने की कोशिश करना चाहिए। ऐसे में आपको मिले हुए फीडबैक को समझना चाहिए और उसी के अनुसार आगे का काम करना चाहिए।

फ्रंट ऑफिस मैनेजर बनने के लिए क्या करना होगा?

फ्रंट ऑफिस मैनेजर का काम कमरों, मीटिंग रूम आदि की बुकिंग करने से लेकर रिकॉर्ड रखना और रिपोर्ट तैयार करना इनका काम होता है।

फ्रंट ऑफिस मैनेजर एक ऐसी भूमिका है, जो किसी भी संगठन के पहले इमेज को दर्शाती है। यह एक ऐसा व्यक्ति होता है, जो ग्राहकों का स्वागत करता है, उनकी पूछताछ का जवाब देता है और उनकी समस्याओं का समाधान करता है। अगर आप इस क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं, तो यह गाइड आपके लिए बहुत काम की होगी।

फ्रंट ऑफिस मैनेजर क्या करते हैं?

फ्रंट ऑफिस मैनेजर ग्राहकों का स्वागत करता है, उनकी पूछताछ का जवाब देता है और उनकी समस्याओं का समाधान करता है। रिसेप्शन पर कॉल का जवाब देता है, अपॉइंटमेंट लेना और मैसेजेस लेने का काम करता है। होटल या Hospitality में आने वाले मेहमानों को सर्विस देता है। रिसेप्शन एरिया का मैनेजमेंट करता है और कर्मचारियों की देखरेख भी करता है। कमरों, मीटिंग रूम आदि की बुकिंग करने से लेकर रिकॉर्ड रखना और रिपोर्ट तैयार करना इनका काम होता है।

फ्रंट ऑफिस मैनेजर की जिम्मेदारियां

- फ्रंट डेस्क के ऑपरेशन को मैनेज करना
- फ्रंट डेस्क के कर्मचारियों को ट्रेन करना और उनकी मदद करना
- मेहमानों का चेक-इन और चेक-आउट मैनेज करना
- मेहमानों की पूछताछ और शिकायतों का समाधान करना
- हाउसकीपिंग और रखरखाव टीमों के साथ समन्वय करना
- आरक्षण और कमरे के आवंटन की देखरेख करना
- बिलिंग और रिकॉर्ड-कीपिंग सुनिश्चित करना
- फ्रंट डेस्क की आपूर्ति और सूची बनाए रखना
- मेहमानों के लिए स्वागतयोग्य माहौल बनाना
- होटल की नीतियों और मानकों का पालन सुनिश्चित करना
- शिफ्ट शेड्यूल बनाना
- कॉल सेंटर एजेंट, सुरक्षा गार्ड, और रिसेप्शनिस्ट समेत फ्रंट-ऑफिस कर्मचारियों की देखरेख करना
- शिकायतों और खास ग्राहक अनुरोधों को संभालना

फ्रंट ऑफिस मैनेजर बनने के लिए योग्यता

- किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड या विश्वविद्यालय से 12वीं या समकक्ष कक्षा पास होना
- Hospitality में डिग्री या डिप्लोमा
- होटल प्रबंधन प्रशिक्षण
- होटल में फ्रंट डेस्क या रिसेप्शन पर पिछला अनुभव
- वैलिड और प्रासंगिक स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रशिक्षण

फ्रंट ऑफिस मैनेजर बनने के लिए आपको इन कौशलों का भी विकास करना होगा

- मजबूत पारस्परिक और संचार कौशल
- नेतृत्व और टीम प्रबंधन क्षमताएं
- बेहतरीन समस्या-समाधान और फैसला लेने का कौशल
- विस्तार पर ध्यान और संगठनात्मक कौशल
- फ्रंट ऑफिस सॉफ्टवेयर और माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस सूट का इस्तेमाल करने में दक्षता
- तनावपूर्ण स्थितियों को संभालने और समय का असरदार तरीके से प्रबंधन करने की क्षमता
- एमएस ऑफिस, खासकर एक्सेल और वर्ड का अच्छा व्यावहारिक ज्ञान
- अंग्रेजी में माहिर होना (मौखिक और लिखित)

अगर आप किसी होटल में फ्रंट ऑफिस एजेंट, रिसेप्शनिस्ट, या बेलहॉप जैसे निचले पद पर काम करते हैं, तो इससे आपको फ्रंट ऑफिस मैनेजर बनने के लिए लंबे समय में अनुभव हासिल करने में मदद मिल सकती है। एक बार जब आप अनुभवी फ्रंट ऑफिस मैनेजर बन जाते हैं, तो आप अपना करियर आगे बढ़ाकर डिप्टी मैनेजर या जनरल मैनेजर बन सकते हैं।

फ्रंट ऑफिस मैनेजर की सैलरी?

फ्रंट ऑफिस मैनेजर की सैलरी कई बातों पर निर्भर करती है। इनमें शामिल हैं

- प्रतिष्ठान का प्रकार (जैसे, लक्जरी होटल या बजट होटल)
- स्थान (महानगरीय क्षेत्रों में अक्सर ज्यादा सैलरी मिलती है)
- मैनेजर का अनुभव और योग्यता
- आम तौर पर, फ्रंट ऑफिस मैनेजर की औसत सालाना सैलरी 5 लाख रुपये से 12 लाख रुपये के बीच होती है। ग्लासडोर के मुताबिक, साल 2024 में भारत में फ्रंट ऑफिस मैनेजर की मासिक सैलरी 43,492 रुपये है। वहीं, टाइम्सप्रो के मुताबिक, होटल में फ्रंट ऑफिस मैनेजर की सालाना औसत सैलरी करीब 4 लाख रुपये होती है, यानी हर महीने 29,531 से 30,852 रुपये।

अगर आप भी बनना चाहते हैं एस्ट्रोनॉट?

एस्ट्रोनॉट बनने के लिए आपके पास इंजीनियरिंग, बायोलॉजिकल साइंस, फिजिकल साइंस, कंप्यूटर साइंस या फिर मैथ्स में बैचलर डिग्री होनी जरूरी है. इन कोर्स में एडमिशन लेने के लिए जेईई मेन्स, जेईई एडवांस्ड, गेट, आईआईटी जैम जैसे एंट्रेंस एग्जाम दे सकते हैं. आप चाहें पीजी के बाद पीएचडी की डिग्री भी कर सकते हैं.

भारतीय मूल की सुनीता विलियम्स एक मशहूर एस्ट्रनॉट हैं। अगर आप भी उनकी तरह बनना चाहते हैं, तो हम आपको बताते हैं कि नासा और इसरो जैसे संस्थानों से जुड़ने के लिए कौन से कोर्स करने जरूरी होते हैं। भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स को कौन नहीं जानता है। सुनीता ने इस साल जून में अंतरिक्ष के लिए उड़ान भरी हैं। इसी के साथ साथ उन्होंने तीसरी बार अपनी बुलंदी का झंडा अंतरिक्ष में गाड़ कर इतिहास रच दिया है। ऐसे में भला कौन नहीं उनके जैसा बनना चाहेगा। लगभग हर कोई एस्ट्रोनॉट सुनीता से प्रेरणा लेकर स्पेस में जाने का सपना देखता है, लेकिन इसके लिए पढ़ाई और कुछ कोर्स करना जरूरी होता है, जिसके बिना आप इसरो या नासा में शामिल नहीं हो सकते हैं। अगर आप सुनीता विलियम्स की तरह ही अंतरिक्ष की यात्रा करना चाहते हैं, तो चलिए आज हम आपको बताते हैं कि इसके लिए आपको कौन से कोर्स करने होंगे और कब से इसकी पढ़ाई शुरू कर देनी चाहिए।

सुनीता विलियम्स कहां तक है पढ़ी-लिखी?

सुनीता विलियम्स ने साल 1983 में नीधम हाई स्कूल और साल 1987 में यूएस नेवल एकेडमी से फिजिकल साइंस में बीएससी की डिग्री हासिल की है। उन्होंने साल 1995 में फ्लोरिडा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से इंजीनियरिंग मैनेजमेंट में मास्टर ऑफ साइंस की डिग्री ली है। मई 1987 में, भारतीय मूल की सुनीता विलियम्स अमेरिकी नौसेना में भर्ती हुई। 6 महीने के बाद उन्हें बेसिक डाइविंग ऑफिसर का पद मिला। साल 1989 में वे नेवल एविएटर बनीं और इसी के साथ सुनीता लगातार अपनी कामयाबी की सीढ़ी चढ़ रही हैं।

एस्ट्रोनॉट बनने के लिए करें ये कोर्स

सुनीता विलियम्स की तरह अगर आप भी स्पेस में जाने और तरह-तरह की चीजों को एक्सप्लोर करना चाहते हैं, तो आपको से 12वीं के बाद से ही इसके लिए तैयार कर देनी होगी। इसके लिए आप 12वीं क्लास पास करने के बाद एरोनॉटिक्स, एविएशन, एयरोस्पेस, एस्ट्रोफिजिक्स आदि स्ट्रीम से ग्रेजुएट या पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स कर सकते हैं। जानकारी के लिए आपको बता दें कि इन कोर्स में पीएचडी भी उपलब्ध है। आप चाहें तो एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में बीटेक भी कर सकते हैं। इन कोर्स को पूरा करने के बाद आपको नासा या इसरो जैसे संस्थानों में काम करने मौका मिल सकता है। साथ ही, इसमें सैलरी भी अच्छी मिलती है।

एक्सपर्ट से जानें कैसे चुनें अपने लिए सही करियर

करियर के बारे में सोचकर आप भी परेशान हो जाते होंगे? क्या करें और क्या नहीं, कुछ समझ नहीं आता होगा? एक्सपर्ट कहते हैं पहले खुद को जानना है ज्यादा जरूरी उसके बाद ही चुन पाएंगे खुद के लिए बेहतर करियर।

जब मैं छोटी थी और कोई पूछता था कि मुझे क्या बनना है, तो मैं कहती थी डॉक्टर। फिर बड़ी हुई, लिखने की ओर रुचि बढ़ने लगी तो सोचा इसी फील्ड में कुछ किया जाए। बस, थोड़ा इधर-उधर होने के बाद मैंने अपने लिए एक राह चुन ली। हममें से अधिकांश युवा कभी-कभी तय नहीं कर पाते कि आखिर हम करना क्या चाहते हैं। कुछ जो अपने लिए करियर चुन लेते हैं, उन्हें भी यह दुविधा रहती है कि क्या वे सही दिशा में हैं। किसी भी करियर को चुनने से पहले आपका नजरिया कुछ चीजों के लेकर एकदम साफ होना चाहिए।

अपने बारे में जानें

हम लोग कई बार अपनी यूनीकनेस, कमजोरियों और प्रतिभाओं से अनजान रहते हैं। अपने सही करियर को चुनने के लिए जरूरी है खुद के बारे में जानना। अपना आत्म-मूल्यांकन कीजिए और अपनी स्ट्रेंथ को पहचानें, जहां आप की कमी रह जाती है, उस एरिया को पहचानें। आत्म खोज की यह यात्रा इंटरनल और पर्सनल होती है। एक लाइफ कोच आपको आपके कौशल को तलाशने में मदद कर सकता है। इसलिए किसी लाइफ कोच की भी मदद ली जा सकती है। जब आपको पता चल जाएगा कि आपकी स्ट्रेंथ क्या है। आपका फोर्टे क्या है, तो आपके लिए करियर चुनना भी मुश्किल नहीं होगा।

जो भी हो, सब लिखें

अपने करियर को प्लान करें और उसे उसी तरह आगे बढाएं। उस प्लान को ही अपनी सफलता की सड़क समझकर उस पर चल पड़ें। अपने छोटे और बड़े दोनों गोल्स को लिखें और जानने कि कोशिश करें कि आपके लिए क्या बेहतर है। खुद से सवाल करें कि कैसे आप एक गोल से दूसरे गोल तक पहुंचेंगी। क्या आपके लक्ष्यों से आपको खुशी मिलेगी। ऐसे कुछ सावलों को लिखें और उनका मूल्यांकन करें।

मेहनत करें और आगे बढ़ें

इससे मतलब नहीं है कि आपने कोई छोटी कंपनी स्टार्ट की है या कुछ नया काम शुरू किया है। आपको कड़ी मेहनत और लगन से काम करना होगा, तभी आपको सफलता मिलेगी। उत्साह के साथ ही दृढ़-संकल्प भी बहुत जरूरी है और यही आपको आगे के लिए मानसिक और भावनात्मक रूप से तैयार करेंगे। अगर कल आप कोई करियर चेंज भी करें तो आपका जुनून ही आपके दृष्टिकोण को अधिक सकारात्मक और व्यावहारिक बनाने में अहम भूमिका निभाएगा। आप अपने काम को जितने प्यार से करेंगी उतना ही सफलता के करीब पहुंचेंगी।

डू नॉट गिव अप

बस यही फेज आपको हमेशा याद रखना है। चाहे कुछ भी हो जाए, आपको चीजें सीखनी है और आगे बढ़ना है। ध्यान रखें कि सारी ताकत आपके अंदर ही होती है। अगर यह आपने समझ लिया तो आप हर कठिनाई को पार कर सकती हैं। इस बात को समझें कि आप जीवन में जो भी हासिल करना चाहें, उसके बीच परेशानियां आएंगी हीं, मगर आपको हार नहीं माननी है। ऐसी स्थिति में कमर कस लें, मजबूत बने रहें और आगे लड़ें। प्रत्येक दिन को वैसे ही लें जैसे वह आता है। सर्वाइवल स्किल्स और अनुभवों से सीखें और इसे अपना अंतिम लक्ष्य बना लें।

सकारात्मक रहें

हमें कभी भी सकारात्मक ऊर्जा को कम नहीं आंकना चाहिए। यदि आपको लगता है कि आप किसी लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल नहीं हो सकते हैं, तो आप उसी तरह से सोचेंगी और वह आपके मन में बैठ जाएगा, जिससे यह अधिक संभावना होगी कि आप वो काम नहीं कर सकें। आपके इरादे आपकी वास्तविकता का निर्माण करते हैं, इसलिए अपने आप से ईमानदार होकर शुरुआत करें और यह पता लगाएं कि वह क्या है जो आपको सच्ची खुशी देता है। यह समझे कि अपने सपने को हकीकत में बदलना रातोंरात नहीं होगा, बल्कि इसके लिए इच्छाशक्ति, कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प की आवश्यकता होगी।

शिखर धवन ने क्रिकेट को कहा अलविदा

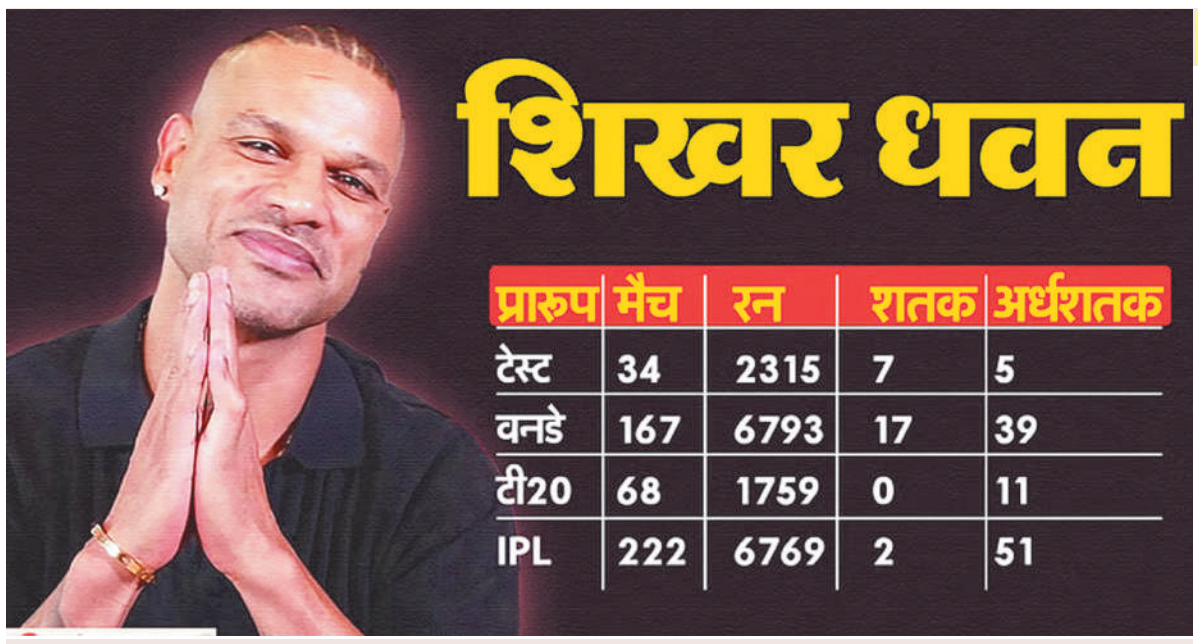

भावुक संदेश में बोले- दिल में भारत के लिए खेलने का सुकून

नई दिल्ली, एजेंसी। धवन ने 10 दिसंबर 2022 को अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला बांग्लादेश के खिलाफ खेला था। वनडे प्रारूप का यह मुकाबला चटगांव में खेला गया था। इस मैच धवन महज तीन रन बना पाए थे। इसी तरह धवन ने अपना आखिरी टी20 मैच कोलंबो में 29 जुलाई 2021 को श्रीलंका में खेला था। इस मैच में वे खाता भी नहीं खोल पाए थे। धवन ने अपना आखिरी टेस्ट सितंबर 2018 में इंग्लैंड के खिलाफ ओवल में खेला था। इस मैच की दोनों पारियों में तीन और एक रन बनाए थे।

शिखर धवन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का एलान कर दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर घरेलू और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा। 37 साल के इस खिलाड़ी ने 2010 में भारत के लिए डेब्यू किया था। अपने 13 साल के करियर में वह 34 टेस्ट, 167 वनडे और 68 टी20 मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं।

संन्यास का एलान करते हुए धवन ने कहा, संन्यास का एलान करते हुए धवन ने कहा कि नमस्कार दोस्तों! आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ा हूं, जहां से मैं पीछे मुड़कर देखता हूं तो ढेरों यादें नजर आती हैं और जब आगे देखता हूं तो पूरी दुनिया। मेरी हमेशा से एक ही मंजिल थी इंडिया के खेलना और ऐसा हुआ भी। इसके लिए मैं कई लोगों का शुक्रिया अदा करना चाहूंगा, मेरा परिवार, मेरे बचपन के कोच तारिक सिन्हा, मदन शर्मा, जिनके अंडर मैंने क्रिकेट सीखी। फिर मेरी टीम जिनके साथ मैं वर्षों तक खेला। एक नया परिवार मिला। नाम मिला। साथ मिला। ढेर सारा प्यार मिला। कहते हैं न कि कहानी में आगे बढ़ने के लिए पन्ने पलटने जरूरी है। बस, मैं भी ऐसा करने जा रहा हूं। मैं अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट से संन्यास का एलान कर रहा हूं।

अब जब मैं इस क्रिकेट यात्रा को अलविदा कह रहा हूं कि तो मेरे दिल में एक सुकून है कि मैं लंबे समय तक देश के लिए खेला। मैं बीसीसीआई और डीडीसीए को भी शुक्रिया कहना चाहूंगा कि उन्होंने मुझ पर भरोसा जताया। मैं अपने फैंस का भी शुक्रिया अदा करता हूं, जिन्होंने मुझे बहुत प्यार दिया। मैं बस खुद से यही कहता हूं कि तुम इस बात से दुखी मत हो कि अब तुम देश के लिए नहीं खेलोगे, बल्कि इससे खुश हो कि तुम देश के लिए बहुत खेले।

शिखर धवन का टेस्ट करियर

धवन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मोहाली में पहला टेस्ट खेला था। 2013 से वह अब तक 34 टेस्ट में हिस्सा ले चुके हैं। धवन को पिछली बार 2018 में टेस्ट मैच में खेलने का मौका मिला था। उन्होंने क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट में 40.61 की औसत से 2315 रन बनाए। इस दौरान सात शतक और पांच अर्धशतक लगाए। धवन का सर्वाधिक स्कोर 190 रन है।

वनडे और टी20 में भी सफल हुए धवन

शिखर ने भारत के लिए पहला वनडे 2010 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विशाखापट्टनम में खेला था। वह 167 मैचों में 6793 रन बना चुके हैं। धवन ने 44.11 की औसत और 91.35 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। उनके नाम 17 शतक और 39 अर्धशतक हैं। टी20 करियर की बात करें तो 68 मैचों में धवन ने 1759 रन बनाए हैं। उनके बल्ले से 11 अर्धशतक निकले हैं।

आईपीएल में भी चला है धवन का बल्ला

धवन ने आईपीएल में भी जमकर रन बनाए हैं। वह इस टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे सफल बल्लेबाजों में एक हैं।

वह सर्वाधिक रन बनाने के मामले में विराट कोहली के बाद दूसरे स्थान पर हैं। धवन ने 222आईपीएल मैचों में 6769 रन बनाए हैं। इस दौरान दो शतक और 51 अर्धशतक लगाए हैं। धवन का औसत 35.26 और स्ट्राइक रेट 127.14 का रहा है।

2022 में खेला था आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच

धवन ने 10 दिसंबर 2022 को अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला बांग्लादेश के खिलाफ खेला था।

वनडे प्रारूप का यह मुकाबला चटगांव में खेला गया था। इस मैच धवन महज तीन रन बना पाए थे। इसी तरह धवन ने अपना आखिरी टी20 मैच कोलंबो में 29 जुलाई 2021 को श्रीलंका में खेला था। इस मैच में वे खाता भी नहीं खोल पाए थे। धवन ने अपना आखिरी टेस्ट सितंबर 2018 में इंग्लैंड के खिलाफ ओवल में खेला था। इस मैच की दोनों पारियों में तीन और एक रन बनाए थे।

गंभीर, सहवाग, बीसीसीआई का शिखर धवन के संन्यास पर रिएक्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने शनिवार सुबह अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की, जिसके बाद पूर्व खिलाड़ियों और बीसीसीआई ने उनके शानदार क्रिकेट करियर के लिए बधाई और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। सोशल मीडिया पर बाएं हाथ के बल्लेबाज ने अपने शानदार क्रिकेट करियर को विराम देने का ऐलान किया, जिसमें उन्होंने 269 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 24 शतक (वनडे में 17 और टेस्ट में 7) बनाए। उनका आखिरी प्रतिस्पर्धी मैच इस साल अप्रैल में इंडियन प्रीमियर लीग में पंजाब किंग्स के लिए था। भारतीय ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर उन्हें बधाई देते हुए भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने लिखा, आपके लिए शुभकामनाएं शिखी पा। शानदार करियर के लिए बधाई।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बाएं हाथ के इस खिलाड़ी को वर्षों से उनके शानदार योगदान के लिए बधाई दी। बीसीसीआई ने एक्स पर लिखा, शिखर धवन ने अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया है। हम उनके इस फैसले का सम्मान करते हैं और उन्हें आगे के सफर के लिए शुभकामनाएं देते हैं। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने एक्स पर लिखा, शानदार करियर के लिए शिखी को बधाई! मुझे पता है कि आप भविष्य में जो भी करेंगे, उसमें वह खुशी फैलाएंगे!

भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने लिखा, बधाई हो शिखी। जब से आपने मोहाली में मेरी जगह ली है, तब से आपने पीछे मुड़कर नहीं देखा और वर्षों से बेहतरीन प्रदर्शन किए हैं। आप ऐसे ही मौज-मस्ती करते रहें और जीवन को पूरी तरह से जिएं। हमेशा बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

पंजाब किंग्स ने उनकी उपलब्धियों का जश्न मनाया, रनों, ट्रॉफियों और यादगार पलों को याद किया, साथ ही उनके अगले अध्याय का बेसब्री से इंतजार किया।

पंजाब किंग्स ने एक्स पर लिखा, रन, ट्रॉफी और अनगिनत यादें! रिटायरमेंट की शुभकामनाएं, गब्बर! जीवन की अगली पारी में आपको शानदार प्रदर्शन करते देखने का इंतजार नहीं कर सकता!

पूर्व भारतीय क्रिकेटर वसीम जाफर ने एक्स पर लिखा, बड़े टूर्नामेंट के लिए एक खिलाड़ी। उसे कभी वह प्रशंसा नहीं मिली जिसका वह हकदार था, लेकिन उसे पता था कि जब तक टीम जीत रही थी, तब तक उसे परवाह नहीं थी कि प्रशंसा किसे मिल रही है। पूरी तरह से टीम मैन। शानदार करियर के लिए बधाई और आपकी दूसरी पारी के लिए शुभकामनाएं। 38 वर्षीय धवन का करियर भारत के लिए 13 साल से अधिक समय तक चला, जिसमें उन्होंने तीनों प्रारूपों में क्रमशः 34 टेस्ट, 167 वनडे और 68 टी20 मैच खेले और 2315, 6793 और 1579 रन बनाए। धवन ने भारत के लिए अपना अंतिम मैच दिसंबर 2022 में चटगांव में बांग्लादेश के खिलाफ वनडे मैच में खेला था, जबकि उनका अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच जुलाई 2021 में श्रीलंका में था। उन्होंने 2019 के बाद से भारत के लिए कोई टेस्ट नहीं खेला है।

निकोलस पूरन के तूफान में उड़ा साउथ अफ्रीका, स्टब्स की पारी गई बेकार

नईदिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज ने साउथ अफ्रीका को मात देकर टी20 सीरीज में जीत से शुरुआत की। त्रिनिदाद में खेले गए पहले टी20 मैच में वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों ने आग बरसाई जिसमें साउथ अफ्रीकी बल्लेबाज झुलस गए। ट्रिस्टन स्टब्स की तूफानी पारी भी साउथ अफ्रीका को इस हार से नहीं बचा पाई। साउथ अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 174 रन बनाए।

वेस्टइंडीज ने यह लक्ष्य महज 17.5 ओवर में ही हासिल कर लिया। 176 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी रही। एलिक एथनाजे और शे होप ने पहले विकेट के लिए 84 रन की साझेदारी की। एलिक ने 30 गेंदों में 40 रन बनाए वहीं होप ने 36 गेंदों में 51 रन बनाए। होप ने अपनी पारी में तीन छक्के और दो चौके लगाए। इसके बाद निकोलस पूरन बल्लेबाजी करने आए और साउथ अफ्रीकी बल्लेबाजों को जमकर कूटा। उन्होंने होप के साथ मजबूत साझेदारी की। निकोलस पूरन ने 26 गेंदे खेली और 65 रन बना दिए। 250 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने दो चौके और सात छक्के लगाए। इसी कारण टीम ने 13 गेंद पहले ही लक्ष्य हासिल कर लिया।

रोहित शर्मा को IPL 2025 में 50 करोड़ मिलना तय!

- ऑक्शन में आते ही होंगे मालामाल, इन दो टीमों ने कसी कमर

नईदिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 से पहले मेगा ऑक्शन होने वाला है. कौन सी टीम किन खिलाड़ियों को रिटेन करेगी, इस तरह के सवाल ऑक्शन के प्रति लोगों के उत्साह को बढ़ा रहे हैं. आईपीएल में मुंबई इंडियंस को बतौर कप्तान 5 खिताब जिताने वाले रोहित शर्मा अगले सीजन के लिए इस टीम के साथ बने रहेंगे या नहीं ये सबसे बड़ा सवाल है. पिछले सीजन में रोहित शर्मा को कप्तानी से हटा दिया गया था. ऐसे में माना जा रहा है कि वह अब टीम से अलग हो सकते है. इसी बीच एक बड़ी खबर सामने आई है. आईपीएल की दो टीमों ने रोहित को अपनी टीम में शामिल करने के लिए कमर कस ली है.

आईपीएल 2025 से पहले सभी टीमों को कुछ ही खिलाड़ियों को रिटेन करने की इजाजत मिलेगी. ऐसे में रोहित शर्मा रिलीज होते हैं तो वह ऑक्शन में नजर आएंगे. इसी बीच कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि रोहित शर्मा अगर ऑक्शन में आते हैं तो उन पर ऐतिहासिक बोली लगने वाली है. रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपर जायंट्स ने रोहित को खरीदने के लिए अलग से 50-50 करोड़ रुपए बचाकर रखे हैं. यानी ये दोनों टीमें रोहित को अपनी टीम में शामिल करने के लिए बड़ी रकम खर्च करना चाहती हैं. हालांकि इस खबर में कितनी सच्चाई ये बताना मुश्किल है.

रोहित शर्मा ने अपने आईपीएल करियर की शुरुआत डेक्कन चार्जेस के साथ की थी. इसके बाद वह 2011 में मुंबई इंडियंस में शामिल हो गए थे. तब से ही वह इसी टीम के लिए खेल रहे हैं. मुंबई की टीम ने आईपीएल 2022 से पहले रोहित को 16 करोड़ रुपए में रिटेन किया था.

डूरंड कप

मोहन बागान डूरंड कप फुटबॉल के सेमीफाइनल में

जमशेदपुर, एजेंसी। डिफेंडिंग चैंपियन मोहन बागान ने एशिया के सबसे पुराने टूर्नामेंट डूरंड कप फुटबॉल के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। इधर, बेंगलुरु एफसी ने केरल ब्लास्टर्स को 1-0 से हराते हुए टॉप-4 में जगह बनाई। दिन के अन्य क्वार्टर फाइनल में शिलांग लाजोंग और नार्थईस्ट यूनाइटेड ने भी जीत हासिल की। जमशेदपुर में शुक्रवार को मोहन बागान ने रोमांचक क्वार्टर फाइनल में पंजाब एफसी को सडन डेथ (टाईब्रेकर) में 6-5 से हराया।

इससे पहले मुकाबला तय समय के बाद 3-3 से बराबरी पर रहा। इधर, कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में एक अन्य क्वार्टर फाइनल के आखिरी पलों में पेरेरिया डियाज के गोल के दम पर बेंगलुरु ने केरल ब्लास्टर्स को हराया। मिंस बागान के पहले मौके को भुनाने में चुक गए, लेकिन पंजाब के क्रोएशियाई डिफेंडर नोवोसेलेच के प्रयास को बागान के गोलकीपर विशाल कैथ ने विफल कर दिया।

पैरालंपिक गेम्स में उतरेंगे भारत के चार गोल्डमेडलिस्ट

नईदिल्ली, एजेंसी। पेरिस में 28 अगस्त से पैरालंपिक गेम्स की शुरुआत होने वाली है। भारत इस बार 84 खिलाड़ियों का दल पेरिस भेज रहा है जो कि अबतक का सबसे बड़ा दल है। भारतीय खिलाड़ी 25 मेडल्स का लक्ष्य लेकर पेरिस गए हैं। इन 84 खिलाड़ियों में चार ऐसे खिलाड़ी हैं जो कि अपने गोल्ड मेडल का बचाव करने उतरेंगे। इन चार खिलाड़ियों में दो निशानेबाज, एक एथलीट और एक बैडमिंटन खिलाड़ी शामिल हैं। पेरिस समर ओलंपिक में नीरज चोपड़ा अपने गोल्ड का बचाव नहीं कर सके थे लेकिन इन चारों पर अब नीरज का अधूरा काम पूरा करने का मौका है।

सुमित अंतिल

सुमित अंतिल पेरिस पैरालंपिक खेलों में भारत के ध्वजवाहक होंगे। सुमित जैविनथ्रो के एफ 64 कैटेगरी में हिस्सा लेते हैं। इस कैटेगरी

में पैर के निचले हिस्से में विकार वाले खिलाड़ियों से संबंधित है जो कृत्रिम (आर्टिफिशियल) पैर का इस्तेमाल करके खड़े होने की स्थिति वाले इवेंट मेंर भाग लेते है।

अवनी लेखरा

टोक्यो पैरालंपिक चैंपियन अवनी लेखरा भी अपने गोल्डा का बचाव करने उतरेंगी। उन्होंने टोक्यो में 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच1 राइफल इवेंट में गोल्ड और थ्री पॉजिशन इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीता था।

कृष्णा नागर

कृष्णा नागर भी अपने गोल्ड का बचाव करने उतरेंगे। नागर 2019 वर्ल्ड चैंपियनशिप में पैरा-बैडमिंटन में सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल जीत चुके हैं। साल 2020 टोक्यो पैरालंपिक में उन्होंने एसएच6 कैटेगरी में गोल्ड मैडल अपने नाम किया।

मनीष नरवाल

मनीष नरवाल ने टोक्यो 2020 में भारत का तीसरा स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने पुरुषों की 50 मीटर पिस्टल स॥1 स्पर्धा में गोल्ड जीता था।

इसी इवेंट का सिल्वर भारत के ही सिंहराज अधाना को मिला था। मनीष नरवाल ने फाइनल में 218.2 का स्कोर करके पैरालंपिक रिकॉर्ड कायम किया था।

सोमी अली ने सालों बाद खोला यार गद्दार से जुड़ा राज

पाकिस्तानी मूल की अभिनेत्री सोमी अली ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में भी अपनी पहचान बनाई। उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी फिल्म यार गद्दार से जुड़े खास राज का फाश किया है। 48 साल की सोमी ने इंस्टाग्राम पर उमेश मेहरा की फिल्म की एक क्लिप शेयर की। इसमें सोमी, मिथुन चक्रवर्ती और गुलशन ग्रोवर नजर आ रहे हैं। उन्होंने कहा- यह थ्रोबैक कई कारणों से व्यक्तिगत है, जिसे मैं इस मंच पर साझा नहीं करूंगी, लेकिन फिल्म के निर्देशक उमेश मेहरा उन सबसे सभ्य व्यक्तियों में से एक थे, जिनके साथ मैंने काम किया है और निश्चित रूप से एक शानदार निर्देशक भी। उन्होंने अपने सह-कलाकारों मिथुन, सैफ अली खान, गुलशन और अन्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे सभी सेट पर अद्भुत थे। एक्ट्रेस मानती हैं कि एक बात से मैं खासी रोमांचित थी।

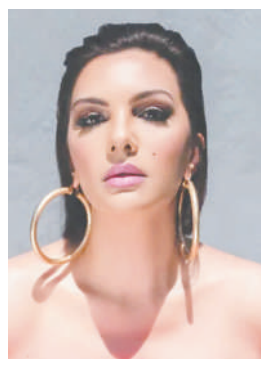

मुझे पता चला कि जो रोल मुझे मिला था वो पहले रेखा जी को ऑफर हुआ था। मैं सातवें आसमान में थी...मेरी घबराहट जायज थी और आप समझ सकते हैं कि ऐसा क्यों होगा? आखिर इतनी खूबसूरत औरत मेरी भूमिका के लिए सिलेक्ट हुई थी। मिथुन के साथ काम करने पर भी सोमी ने राय जाहिर की। उन्होंने कहा, जहां तक मिथुन दा की बात है, तो उनके साथ मैंने बहुत काम किया, वह एक गुरु थे और हमेशा दयालु थे। सबसे अजीब बात यह है कि जिन अभिनेताओं के साथ मैंने खलनायक की भूमिका निभाई, वे वास्तविक जीवन में सबसे अछे लोग थे। चाहे वो प्रेम अंकल हों या गुलशन सभी अत्यंत सभ्य सजन।

आईफा अवॉर्ड्स 2024 की मेजबानी करेंगे शाहरूख खान-करण जौहर

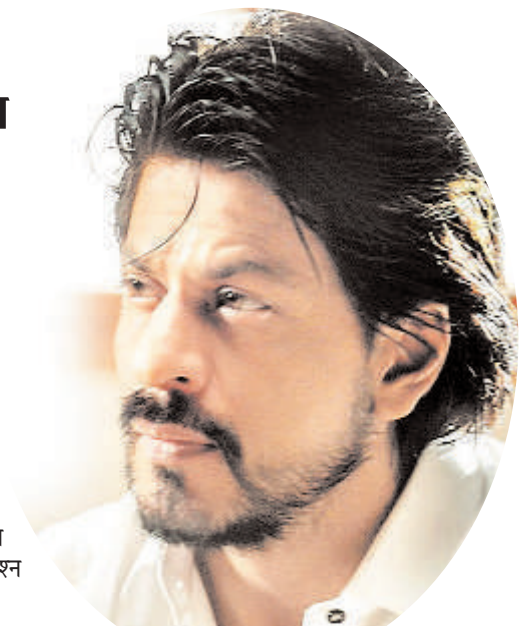

सुपरस्टार शाहरुख खान और फिल्म निर्माता-निर्माता करण जौहर एक साथ मिलकर इंटरनेशनल इंडियन फिल्म एकेडमी अवॉर्ड्स (आईफा) 2024 की मेजबानी करेंगे। यह पुरस्कार समारोह 28 सितंबर को अबू धाबी के यास द्वीप में होगा। पुरस्कार समारोह में शाहिद कपूर समेत बॉलीवुड के कई नामचीन कलाकार अपने शानदार प्रदर्शन से मंच पर चार चांद लगा देंगे। अंतर्राष्ट्रीय भारतीय फिल्म अकादमी पुरस्कार 2024 तीन दिवसीय आयोजन होगा, जो 27 सितंबर से 29 सितंबर तक चलेगा। पहला दिन यानी 27 सितंबर आईफा उत्सव का दिन है, जिसमें चार दक्षिण भारतीय फिल्म उद्योग जश्न मनाएंगे।

शादी के लिए इटली रवाना हुई एमी, पहले से ही है एक बेटा

सिंह इज ब्लिंग फेम बॉलीवुड एक्ट्रेस एमी जैक्सन शादी करने जा रही हैं। वह मंगेतर और ब्रिटिश एक्टर एड वेस्टविक से दो साल डेटिंग के बाद शादी कर रही हैं। एमी अपने बेटे एंड्रियास और मंगेतर के साथ प्राइवेट जेट से इटली रवाना हो गई हैं। इस कपल ने इटली के अमाल्फी कोस्ट को वेडिंग वेन्यू चुना है। एमी जैक्सन ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वह मंगेतर एड, अपने होने वाले ससुराल वालों और अपने बेटे एंड्रियास के साथ उड़ान भरती नजर आ रही हैं। एमी जैक्सन ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, चलो बेबी, शादी कर लेते हैं। एमी ने इसके साथ ही अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर भी तस्वीरें शेयर की हैं। उन्होंने लिखा, इटली, हम आ रहे हैं। बीते दिनों एमी ने प्राइवेट जेट में बैचलर पार्टी की थी। उनके मंगेतर एड वेस्टविक बेहद मशहूर टीवी शो गॉसिप गर्ल में चक बास के रोल के लिए काफी मशहूर हैं। दोनों ने इसी साल जनवरी में सगाई की थी। एड वेस्टविक ने इस साल जनवरी में स्विट्जरलैंड के गस्टाड में एमी जैक्सन को प्रपोज किया था। इस खूबसूरत पल की तस्वीरें काफी वायरल हुई थीं। तब कैप्शन में रिंग इमोजी के साथ तस्वीरें शेयर करते हुए एमी ने लिखा, यकीनन हां। जबकि एड वेस्टविक ने फोटो शेयर करते हुए लिखा, मैंने जैकपॉट मारा है। एमी जैक्सन की एक बार पहले भी सगाई हो चुकी है। वह पहले बिजनसमैन जॉर्ज पानायियोटौ को डेट करती थीं। दोनों ने सगाई की। उनका एक बेटा एंड्रियास भी पैदा हुआ। लेकिन शादी से पहले यह रिश्ता टूट गया। एमी जैक्सन फिल्मों से ज्यादा अपनी लव लाइफ को लेकर चर्चा में रही हैं। 2011 में उन्हें फिल्म एक दीवाना था के सेट पर प्रतीक बब्बर से हुआ।

संक्षिप्त समाचार

5 साल के बेटे ने खोली पापा की पोल, पति ने बीमारी से मौत बता दफ़ना दिया था शव

नईदिल्ल, एजेंसी। गाजियाबाद के मसूरी थानाक्षेत्र में रहने वाले युवक ने अवैध संबंध के शक में दुपट्टे से गला घोंटकर पत्नी की हत्या की कर दी। आरोपी ने ससुरालियों को बीमारी से मौत होने की बात बताकर शव को सुपुर्द-ए-खाक कर दिया, लेकिन बेटे ने पोल खोल दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। हापुड़ के पिलखुआ में रहने वाली 27 वर्षीय रुकसार की शादी नौ साल पहले हापुड़ के शाहनवाज से हुई थी।

रुकसार के दो बच्चे हैं, जिनमें आठ वर्षीय बेटी और पांच वर्षीय बेटा है। शाहनवाज पत्नी और बेटे उजैत के साथ मसूरी थानाक्षेत्र में किराये के मकान में रहता है, जबकि बेटी मामा के पास रहती है। शाहनवाज खिचरा गांव स्थित जींस बनाने की फैक्टरी में काम करता है। 20 अगस्त को रुकसार की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। शाहनवाज ने ससुरालियों को बताया कि रुकसार के पेट में दर्द था, जिसकी वजह से उसकी मौत हो गई। इसके बाद शव को सुपुर्द-ए-खाक कर दिया।

शुरू में गुमराह किया, बाद में कबूला जुर्म: एसीपी मसूरी नरेश कुमार का कहना है कि पूछताछ में शाहनवाज ने गुमराह करने का प्रयास किया, लेकिन सख्ती से पूछने पर उसने हत्या की बात कबूल ली। शाहनवाज ने बताया कि उसे पत्नी के चरित्र पर शक था। इसकी शिकायत सास से की थी। जांच में सामने आया कि रूकसार ने पूर्व में हापुड़ निवासी युवक पर छेड़छाड़ का केस दर्ज कराया था। शाहनवाज को उसी युवक से रुकसार के अवैध संबंध होने का शक था। पुलिस का कहना है कि शव को कब्र से निकलवाकर पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

मासूम बोला- अब्बू ने अम्मी को मारा: पुलिस के मुताबिक, ससुराल पक्ष के लोगों को शाहनवाज की बातों और उसकी गतिविधियों पर शक हो गया था। उन्होंने उजैत से पूछा तो उसने शाहनवाज की पोल खोल दी। उसने बताया कि अब्बू ने अम्मी को गला घोंटकर मारा। इसके बाद मृतका के भाई ने मसूरी थाने पहुंच कर शाहनवाज के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कराया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी को हिरासत में ले लिया।

दिल्ली के मदरसे में पांच साल के बच्चे की मौत, कमर-गर्दन पर मिले कई छाले

नईदिल्ल, एजेंसी। दिल्ली के एक मदरसे में पांच साल के बच्चे की मौत की खबर है। यह मदरसा पूर्वोत्तर दिल्ली के दयालपुर में स्थित है। पुलिस ने इस मदरसे को लेकर जो जानकारी दी है, वह चौंकाने वाली है। पुलिस के मुताबिक बच्चे की गर्दन, पेट और कमर के हिस्से पर छाले थे। पुलिस को शुक्रवार रात 9 बजकर 52 मिनट पर बृजपुरी मदरसे में लड़के की मौत की सूचना मिली थी जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और बच्चे का शव बरामद किया।

पुलिस ने बताया, शाम 6.30 बजे शुक्रवार को बच्चे की मां को पता चला कि उनका बेटा बिमार है। वह उसे ब्रिजपुरी में एक प्राइवेट अस्पताल में ले गईं जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वह बच्चे के शव को लेकर मरदसा लौटी और वहां भारी भीड़ इकट्ठा हो गई। उसने बच्चे के शव को जमीन पर रखा और मदरसा प्रशासन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। बाद में पुलिस मौके पर पहुंची और शव को जीटीबी अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया। अधिकारी ने कहा, उन्होंने मामले की उचित जांच का भी आश्वासन दिया है जिसके बाद भीड़ तितर-बितर हो गई।

बच्चे की मां पश्चिम दिल्ली के पंजाबी बाग इलाके में घरेलू सहायिका है। मां ने बताया कि उसका बेटा पिछले पांच महीने से मदरसे में पढ़ रहा था। बच्चे के पिता उत्तर प्रदेश में रहते हैं और महीने में एक बार दिल्ली आते हैं। उनके दो और बच्चे भी है। एक 10 साल का लड़का है और 8 साल की लड़की है। पुलिस ने एक बयान में कहा, शुरुआती जांच में गर्दन, पेट और कमर के हिस्से में बड़ी संख्या में फोड़े,फफोले पाए गए हैं। बता दें, हाजी दीन मोहम्मद उस मदरसे के प्रिंसिपल हैं जहां बच्चे की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हुई है। इसमें करीब 250 लड़के पढ़ते हैं। पुलिस ने कहा कि इनमें से 150 दिल्ली के बाहर के हैं, मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश के हैं। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि पोस्टमॉर्टम के बाद अधिक जानकारी सामने आएगी और आगे की जांच जारी है।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर मुकदमे की मिल गई मंजूरी, सीबीआई ने कोर्ट को दी जानकारी

नईदिल्ल, एजेंसी। दिल्ली शराब घोटाला से जुड़े भ्रष्टाचार के एक मामले में सीबीआई ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी के विधायक दुर्गेश पाठक पर मुकदमा चलाने की मंजूरी प्राप्त कर ली है। राउज एवेन्यू कोर्ट को इस बात की जानकारी देते हुए जांच एजेंसी ने कोर्ट में मंजूरी भी दाखिल कर दी।

सीबीआई द्वारा विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा की अदालत को इस बारे में जानकारी दी गई, जिसके बाद उन्होंने मामले को अगली सुनवाई के लिए 27 अगस्त को सूचीबद्ध कर दिया। इस केस में केजरीवाल की न्यायिक हिरासत अवधि 27 अगस्त को खत्म होने वाली है। अदालत ने इस मामले में 12 अगस्त को सीबीआई को केजरीवाल और पाठक पर मुकदमा चलाने के लिए आवश्यक मंजूरी प्राप्त करने के लिए 15 दिन का समय दिया था। इस मामले में दोनों के खिलाफ जांच की मंजूरी सीबीआई को पहले ही मिल चुकी थी। सीबीआई ने केजरीवाल के खिलाफ पूरक आरोप पत्र दाखिल किया है।

बता दें कि अरविंद केजरीवाल को 26 जून को गिरफ्तार किया गया था और वे 27 अगस्त तक न्यायिक हिरासत में हैं। अदालत को 27 अगस्त को ही सप्लिमेंट्री चार्ज (पूरक आरोप) पर विचार करना है। केजरीवाल पर मुकदमा चलाने के लिए जांच एजेंसी को मंजूरी की आवश्यकता थी।

इससे पहले शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के कथित शराब घोटाला मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जमानत याचिका और केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा की गई उनकी गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई पांच सितंबर तक के लिए स्थगित कर दी थी।

जस्टिस सूर्य कांत और जस्टिस उज्ज्वल भुइंया की पीठ ने उनकी याचिकाओं पर संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद शुक्रवार को कहा कि वह इस मामले में अगली सुनवाई पांच सितंबर को करेंगे, ताकि जवाबी हलफनामा दाखिल किया जा सके। सुनवाई के दौरान सीबीआई ने पीठ के समक्ष केजरीवाल की याचिकाओं का यह कहते हुए जोरदार विरोध किया कि अगर उन्हें अंतरिम जमानत पर रिहा किया जाता है, तो वह सबूतों से छेड़छाड़ कर जांच को बाधित कर सकते हैं।

शीर्ष अदालत ने 14 अगस्त को सीबीआई को (दोनों याचिकाओं पर) अपना पक्ष रखने का निर्देश देते हुए कहा था कि वह इस मामले में अगली सुनवाई 23 अगस्त को करेगी।

कस्तूरबा गांधी अस्पताल में बिजली कटौती ने ली नवजात की जान, एमसीडी मेयर ने दिए जांच के आदेश

नईदिल्ल, एजेंसी। दिल्ली नगर निगम की मेयर शैली ओबरॉय ने कमिश्ननर अश्वनी कुमार को कस्तूरबा अस्पताल में एक नवजात की मौत की जांच शुरू करने का निर्देश दिया है। पुरानी दिल्ली स्थित यह अस्पताल निगम के अंतर्गत आता है। बताया जा रहा कि नवजात की मौत कथित तौर पर प्लान्ड शटडाउन के दौरान बिजली आपूर्ति नहीं होने की वजह से हुई। कमिश्नर को जारी आदेश में लिखा है, एक मीडिया रिपोर्ट से पता चलता है कि 22 अगस्त को कस्तूरबा अस्पताल में प्लान्ड शटडाउन के दौरान बिजली बैकअप मौजूद न होने के कारण दुर्भाग्यवश एक नवजात की मौत हो गई।

ओबेरॉय ने आदेश में कहा, आपसे अनुरोध है कि मामले की जड़ तक पहुंचे और इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के कारण का पता लगाने के लिए तुरंत जांच शुरू करें ताकि हम उसके अनुसार कार्रवाई शुरू कर सकें। यह मामला तब सामने आया जब कई सोशल मीडिया यूजर्स ने दावा किया कि गुरुवार को कस्तूरबा अस्पताल में कुछ समय के लिए बिजली गुल हो गई थी, इस दौरान टॉर्च की रोशनी में दो नवजात नवजातओं की कथित तौर पर डिलीवरी हुई। इस दौरान एक नवजात की मौत हो गई।

टॉर्च की रोशनी में प्रसव के आरोपों को नकारते हुए एमसीडी ने कहा, अस्पताल के ओटी में बिजली बैकअप था। कस्तूरबा अस्पताल में कुल तीन डिलीवरी हुई, जिनमें से दो दिन के उजाले में और एक शाम को हुई। तब तक अस्पताल में बिजली आपूर्ति दोबारा शुरू हो चुकी थी। निगम इस बात से इनकार करता है कि टॉर्च की रोशनी में प्रसव हुआ। बच्चे की मौत पर निगम ने कहा, डिलीवरी के बाद नवजात सांस नहीं ले पा रहा था, इसलिए उसे एनआईसीयू के वेंटिलेटर में रखा गया था और उसके माता-पिता को उसकी स्वास्थ्य स्थिति के बारे में बताया गया था।

निगम ने आगे कहा, एनआईसीयू के वेंटिलेटर का पावर बैकअप लगातार काम कर रहा था। पांच दिनों तक वेंटिलेटर पर रहने के बाद दुर्भाग्य से बच्चे की बीमारी के कारण मौत हो गई। एक अधिकारी के अनुसार, एमसीडी ने 21 अगस्त को एक सर्कुलर जारी कर अस्पताल में दोपहर 1 बजे से शाम 4 बजे तक बिजली कटौती की को लेकर जानकारी देते हुए सभी विभागों को आवश्यक व्यवस्था करने को कहा था।

दिल्ली मेट्रो अब संडे सुबह 8 नहीं 6 बजे से चलेगी कॉरिडोर पर बदला टाइम

नईदिल्ल, एजेंसी। यात्रीगण कृपया ध्यान दें...रविवार को मेट्रो में सफर करने वालों को अब सुबह आठ बजे से शुरू होने वाले परिचालन का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने मेट्रो फेज-तीन के सभी कॉरिडोर के टर्मिनल स्टेशन से मेट्रो का परिचालन सुबह आठ के बजाय छह व सात बजे से शुरू करने का फैसला किया है। रविवार से यह सुविधा शुरू हो जाएगी।

मेट्रो प्रबंधन के मुताबिक, यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए यह फैसला किया गया है। 25 अगस्त से नई समय सारिणी लागू हो जाएगी। रविवार को यात्रियों की संख्या कम होने के कारण फेज-तीन के टर्मिनल स्टेशन से मेट्रो का परिचालन 8 बजे से शुरू होता था। नई समय सारिणी कुल छह कॉरिडोर पर लागू होगी।

मेट्रो का मानना है कि नई समय सारिणी लागू होने से हजारों यात्रियों को फायदा होगा। खासतौर से इसका फायदा नोएडा, गाजियाबाद,

फरीदाबाद व दिल्ली के उत्तर-पूर्वी और उत्तरी-दिल्ली को फायदा मिलेगा।

इन कॉरिडोर पर समय बदला गया: मेट्रो प्रबंधन के अनुसार, फेज-तीन शहीद स्थल नया बस अड्डा गाजियाबाद से दिलशाद गार्डन, मुंडका से ब्रिगेडियर होशियारपुर और बदरपुर से राजा नाहर सिंह फरीदाबाद कॉरिडोर पर रविवार को मेट्रो का परिचालन सुबह 8 बजे से शुरू होता था, लेकिन आगामी रविवार से इसका परिचालन अब 6 बजे से शुरू हो जाएगा। इसी तरह पिंक लाइन (मजलिस पार्क से शिव विहार), मजेंटा लाइन (बॉटेनिकल गार्डन नोएडा से जनकपुरी पश्चिम) के बीच भी रविवार को मेट्रो का परिचालन 8 बजे से शुरू होता है, लेकिन आगामी रविवार से यहां पर सुबह 7 बजे से परिचालन शुरू होगा।

केजरीवाल का दिल्लीवालों को तोहफा, अपने विधानसभा क्षेत्र में खर्च होंगे करोड़ों; मिली मंजूरी

नईदिल्ल, एजेंसी। कथित शराब घोटाला मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जेल में बंद हैं। शुक्रवार को उन्होंने अपने विधानसभा क्षेत्र नई दिल्ली को बड़ा तोहफा दिया है। उन्होंने नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र के लिए 7 करोड़ के विकास कार्यों को मंजूरी दी है। इसमें 50 तरह के विकास कार्यों पर पूरे पैसे खर्च किए जाएंगे, जिसमें लाइब्रेरी का काम भी शामिल है। इस बारे में जानकारी देते हुए सीएम ऑफिस की तरफ से बताया गया कि उनके विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों के लिए राउज एवेन्यू कोर्ट से मंजूरी मिली थी।

50 प्रोजेक्ट पर होगा काम : मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की तरफ से जानकारी देते हुए बताया गया कि नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र में अलग-अलग जगहों पर 50 तरह के विकास कार्यों को पूरा किया जाएगा। इसमें लाइब्रेरी, सीसीटीवी कैमरा, इनडोर और आउटडोर जिम, स्ट्रीटलाइट, मोबाइल वैन, आरसीसी सड़कों के साथ ही ड्रेनेज सिस्टम पर कुल सात करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इससे लोगों को मिलने वाली सुविधाओं में बढ़ोत्तरी मिलेगी। सीसीटीवी लग जाने नई दिल्ली विधानसभा के पूरे इलाके की सुरक्षा भी बढ़ जाएगी। बता दें कि शुक्रवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जमानत को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। हालांकि, सीएम केजरीवाल को कोर्ट से राहत नहीं मिली है। आम आदमी पार्टी को ऐसी उम्मीद थी कि शुक्रवार को सुनवाई के बाद अरविंद केजरीवाल जेल से बाहर आ जाएंगे, जिस तरह संजय सिंह और मनीष सिसोदिया जेल से बाहर आए हैं। हालांकि, कोर्ट ने उनको जमानत नहीं दी है। अभी अरविंद केजरीवाल को जेल में ही रहना होगा।

जर्मनी में पार्टी कर रहे लोगों पर हमला

हमलावर ने गर्दन पर चाकू मारे, 3 की मौत, 9 घायल

सोलिंगेन, एजेंसी। पश्चिम जर्मनी के सोलिंगेन में शुक्रवार रात को एक कार्यक्रम के दौरान चाकूबाजी की घटना में 3 लोगों की मौत हो गई। 9 लोग जख्मी हैं। इनमें 4 की हालत गंभीर है। बीबीसी के मुताबिक सोलिंगेन शहर अपनी स्थापना के 650 साल पूरे होने का जश्न मना रहा था। सोलिंगेन शहर के मेयर ने बताया कि हमला फॉनहोफ चौक पर हुआ। कार्यक्रम में करीब 10 हजार लोग पहुंचे थे। लाइव बैंड बज रहा था, तभी एक शख्स ने रात करीब 10 बजे भीड़ में लोगों पर हमला कर दिया। इस दौरान हमलावर ने राह चलते लोगों पर जहां-तहां हमले किए। घटना के बाद हमलावर मौके से फरार होने में कामयाब रहा। सोलिंगेन की आबादी 1 लाख 59 हजार है। यह उत्तरी राइन-वेस्टफेलिया राज्य में है, जो जर्मनी का सबसे अधिक आबादी वाला राज्य है। राज्य के गृहमंत्री हर्बर्ट रूल ने घटनास्थल का दौरा करने के बाद कहा कि ऐसा लगता है कि हमलावर कई लोगों को मारने के मकसद से ही आया था।

उड़ान भरने के बाद 5 मिनट के अंदर ही प्लेन स्कूल के प्ले ग्राउंड में हुआ क्रैश

सिडनी, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के ग्रेटर वेस्टर्न सिडनी इलाके में गुरुवार को एक बड़ा विमान हादसा हुआ, जब एक विमान प्राथमिक स्कूल के पास गिर गया। हालांकि, इस हादसे में किसी की जान नहीं गई है। विमान में सवार 34 वर्षीय महिला और पायलट को मामूली चोटें आई हैं। हादसा उस समय हुआ जब विमान उड़ान भरने के 5 मिनट बाद ही इंजन फेल होने के कारण स्कूल के खेल मैदान में आपातकालीन लैंडिंग की कोशिश के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान के गिरते ही वहां खेल रहे बच्चों और उनके अभिभावकों में अफरा-तफरी मच गई।

घटना का विवरण: यह हादसा दोपहर करीब 2:25 बजे हुआ जब पाइपर पीए-28 विमान ने बैंकस्टाउन हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी। इंजन फेल होने की स्थिति में पायलट ने आपातकालीन लैंडिंग की कोशिश की, लेकिन विमान सिडनी के बॉस्ले पार्क में मैरी इमैक्युलेट कैथोलिक प्राइमरी स्कूल के खेल मैदान में गिर गया। गनीमत रही कि हादसे के समय मैदान में बच्चे बास्केटबॉल नहीं खेल रहे थे और विमान गिरने से कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ।

पायलट का आपातकालीन संदेश: मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक न्यूज चैनल की वीडियो में पायलट को कॉल पर मेडे, मेडे, मेडे कहते हुए सुना जा सकता है। उन्होंने बताया कि उनका इंजन फेल हो गया है और उन्हें मजबूरन आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी। विमान गिरते समय पार्क में मौजूद लोग इस हादसे से हैरान रह गए और तुरंत आपातकालीन सेवाओं को बुलाया गया।

मौके पर पहुंची आपातकालीन सेवाएं: विमान के गिरते ही आपातकालीन सेवाएं तुरंत मौके पर पहुंचीं और पायलट और महिला को सुरक्षित निकाला गया। हादसे के बावजूद विमान में आग नहीं लगी, जिससे एक बड़ी त्रासदी टल गई। यह हादसा एक बड़ी दुर्घटना में बदल सकता था, लेकिन संयोगवश इसमें कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ। स्थानीय लोग और अभिभावक इस हादसे से सदमे में हैं, लेकिन वे राहत महसूस कर रहे हैं कि बच्चों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा।

बांग्लादेश में बाढ़ से 15 लोगों की मौत, 40 लाख प्रभावित

ढाका, एजेंसी। मानसून की भारी बारिश से बांग्लादेश के डेल्टाई इलाकों और भारत के कुछ क्षेत्रों में बाढ़ आ गई है। इस कारण बांग्लादेश में कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई और 40 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। जो राजनीतिक परिवर्तन के बाद नवगठित अंतरिम सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती बन गई है।

खतरे के निशान से ऊपर बह रही कई नदियां: बांग्लादेश में कई नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं, खासकर पूर्वोत्तर, पूर्वी और दक्षिण-पूर्वी हिस्से में, इस वजह से कई शहरों और कस्बों के अलावा सैकड़ों गांव जलमग्न हो गए हैं। इससे बुनियादी ढांचे को भी नुकसान पहुंचा है और संचार लाइन बाधित हो गई हैं।

सरकारी समाचार एजेंसी बीएसएस के मुताबिक, आपदा प्रबंधन मंत्रालय में सचिव कमर-उल-हसन ने कहा, बांग्लादेश में भारी बारिश के कारण आई बाढ़ के कारण कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई है और 11 जिलों के 48 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। हसन ने संवाददाताओं को बताया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सेना, नौसेना, तट रक्षक, बॉडर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी), अग्निशमन कर्मी, पुलिस और छात्रों की तरफ से बचाव अभियान चलाया जा रहा है।

भारत और रूस की दोस्ती में दरार ! पुतिन ने बढ़ाई चीन से नजदीकियां, प्रधानमंत्री ली से की मुलाकात

बीजिंग, एजेंसी। रूस की चीन के साथ बढ़ती नजदीकियां और मजबूत होते संबंध भारत के लिए नया नया सिरदर्द बन सकता है। राजनीतिक और आर्थिक सहयोग के लिए चीन पर बढ़ती रूस की निर्भरता के बीच रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने चीन के प्रधानमंत्री ली क्विंग से बुधवार को मुलाकात की और दोनों देशों के बीच मजबूत होते व्यापारिक संबंधों की सराहना की। पुतिन ने रूस के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास 'क्रेमलिन में हुई बैठक के दौरान कहा, ''हमारे व्यापारिक संबंध सफलतापूर्वक विकसित हो रहे हैं... दोनों देशों की सरकारें व्यापार और आर्थिक संबंधों पर ध्यान केंद्रित रही हैं और उसके परिणाम सामने आ रहे हैं। पुतिन ने चीन के प्रधानमंत्री ली क्विंग से बुधवार को मुलाकात की और दोनों देशों के बीच मजबूत होते व्यापारिक संबंधों की सराहना की। हालांकि पीएम मोदी के यूक्रेन दौरे को लेकर रूस की ओर से अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। वहीं उसके उलट छह सप्ताह पहले जब पीएम मोदी रूस दौर पर गए थे तब यूक्रेन ने नाराजगी जताई

थी। साथ ही पीएम मोदी के दौरे की आलोचना की थी। उन्होंने कहा कि रूस और चीन ने आर्थिक और अन्य परियोजनाओं के लिए ''बड़े पैमाने पर योजनाएं बनाई हैं। ली ने कहा, ''चीन-रूस संबंध अभूतपूर्व रूप से उच्च स्तर पर हैं। ली ने पुतिन के साथ बैठक से पहले रूस के प्रधानमंत्री मिखाइल मिशुस्टिन से भी मुलाकात की थी। यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब रूस कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेन के हमलों के बीच उसे पीछे धकेलने की कोशिश कर रहा है। इसके साथ ही यूक्रेन ने 2022 में युद्ध शुरू होने के बाद से पहली बार बुधवार रात रूस पर सबसे बड़ा ड्रोन हमला किया।

रूसी समाचार रिपोर्ट में यह संकेत नहीं दिया गया कि पुतिन और ली ने यूक्रेन पर चर्चा की या नहीं। चीन ने यूक्रेन संघर्ष में खुद को तटस्थ रखने की कोशिश की है,उसके और रूस के संबंध पश्चिम के साथ कुछ खास नहीं हैं। रूस द्वारा फरवरी 2022 में यूक्रेन में सेना भेजे जाने के जवाब में पश्चिमी देशों ने रूसी तेल की खरीद पर भारी प्रतिबंध लगाए थे और उस समय चीन ने रूसी तेल की खरीद में जबरदस्त बढ़ोतरी की जिससे रूस में उसका प्रभाव और बढ़ गया। पुतिन ने क्रेमलिन में अपने पांचवें कार्यकाल के लिए शपथ लेने के तुरंत बाद बीजिंग में चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ बैठक करके दर्शाया कि चीन रूस के लिए कितना महत्व रखता है।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रकः- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंधी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय

कार्यालय पताः-एच. 21 अंकित अपार्टमेंट ब्रजेश्वरी एनएक्स, इंदौर मध्यप्रदेश मोः- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार,आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।